सत्यमेव जयते

RCScE

राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद
RSCERT UDAIPUR
उत्तिष्ठत जाग्रत प्राप्य वरान्निबोधत

हिन्दी साहित्य

प्रश्न- बैंक 2022-23

CLASS – 12

Rajasthan State Council of Educational Research and Training, Udaipur
&
Rajasthan Council of School Education, Jaipur

कोरोना से बचाव के उपाय

हाथ धोने के पाँच आसान चरण

1

सबसे पहले होता है हाथ गीला,
फिर हाथ पर नाचे साबुन रंगीला

2

हाथ से होता फिर हाथ का साथ,
फिर घूम के आगे पीछे खेले हाथ,

3

खेलो तब उंगलियों
में घुसकर

4

फिर चलाओ नाखूनों में घुसकर

5

हाथ करें फिर पानी में छम-छम,
क्योंकि साफ हाथ में ही है दम

सावधानी हेतु सुझाव

1. साबुन से 20 सेकंड तक हाथ नियमित अंतराल पर धोएँ।
2. मास्क का उपयोग करें।
3. सामाजिक दूरी बनाये रखें।
4. अनावश्यक एवं बार-बार घर से बाहर जाने से बचें।
5. सर्दी-खाँसी या हल्का बुखार होने पर नजदीकी चिकित्सा केन्द्र में डॉक्टर को दिखावें।

मुख्य संरक्षक

माननीय श्री बी.डी. कल्ला
शिक्षा मंत्री,
प्रारम्भिक व माध्यमिक शिक्षा विभाग
राजस्थान सरकार, जयपुर

माननीया श्रीमती जाहिदा खान
राज्य मंत्री,
प्रारम्भिक व माध्यमिक शिक्षा विभाग,
राजस्थान सरकार, जयपुर

संरक्षक

श्रीमती अपर्णा अरोड़ा (I.A.S.)
अतिरिक्त मुख्य सचिव, स्कूल शिक्षा,
राजस्थान सरकार, जयपुर

डॉ. मोहन लाल यादव (I.A.S.)
राज्य परियोजना निदेशक एवं आयुक्त,
राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद, जयपुर

श्री गौरव अग्रवाल (I.A.S.)
निदेशक, माध्यमिक एवं प्रारम्भिक शिक्षा निदेशालय
बीकानेर, राजस्थान

मुख्य मार्गदर्शक

श्रीमती कविता पाठक (R.A.S.)
निदेशक, राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान
एवं प्रशिक्षण परिषद, उदयपुर

मार्गदर्शक

डॉ. अनिल कुमार (R.A.S.)
अतिरिक्त राज्य परियोजना निदेशक,
राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद, जयपुर

श्री शिवजी गौड़
अतिरिक्त निदेशक
राराशैअप्रप, उदयपुर

डॉ. मोटाराम भादू
उपनिदेशक
राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद्
जयपुर

श्रीमती मनीषा उज्वल
एसो. प्रोफेसर
राराशैअप्रप, उदयपुर

प्रभारी अधिकारी

श्री बन्ना राम रैगर
असि. प्रोफेसर
राराशैअप्रप, उदयपुर

श्रीमती योगिता शर्मा
सहायक निदेशक
राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद्, जयपुर

श्रीमती अनामिका चौधरी
असि. प्रोफेसर
राराशैअप्रप, उदयपुर

आमुख

बोर्ड परीक्षा परिणाम गुणात्मक एवं संख्यात्मक रूप से श्रेष्ठ रहे एवं बच्चों को प्रश्नों को हल करके सीखने के पर्याप्त अवसर मिले, इसी को ध्यान में रखकर राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद उदयपुर द्वारा प्रश्न बैंक एवं मॉडल प्रश्न–पत्र का निर्माण किया गया है। इस प्रश्न बैंक का निर्माण श्रेष्ठ एवं अनुभवी विषय विशेषज्ञों द्वारा किया गया है। इसके निर्माण में प्रत्येक अध्याय की सम्पूर्ण विषय–वस्तु में से महत्वपूर्ण प्रश्नों का चयन किया गया है।

इसमें कोरोना काल की परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए बोर्ड द्वारा निर्धारित मानदण्डानुसार बहुविकल्पी, रिक्त–स्थान, अतिलघूत्तरात्मक, लघूत्तरात्मक एवं निबंधात्मक प्रश्नों का समावेश किया गया है।

प्रश्न बैंक के साथ तीन मॉडल प्रश्न–पत्र भी शामिल किए गए है, जो माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर द्वारा 'बोर्ड परीक्षा–2021' के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसार है। विषयाध्यापकों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे अपने कक्षा शिक्षण के दौरान उक्त सामग्री को छात्र–छात्राओं के अभ्यास हेतु काम में लेंगे।

मुझे आशा एवं पूर्ण विश्वास है कि यह प्रश्न बैंक श्रेष्ठ परीक्षा परिणाम अर्जित करने में मददगार साबित होगा।

शुभकामनाओं के साथ।

निदेशक
श्रीमती कविता पाठक (RAS)
राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान
एवं प्रशिक्षण परिषद, उदयपुर

अनुक्रमणिका

क्र.स.	विषय वस्तु	पृष्ठ संख्या
1.	जयशंकर प्रसाद	6–7
2.	सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'	8–9
3.	सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'	10–11
4.	केदारनाथ सिंह	12–13
5.	विष्णु खरे	14–15
6.	तुलसीदास	16–17
7.	विद्यापति	18
8.	केशवदास	19
9.	रामचंद्र शुक्ल – प्रेमघन की छाया – स्मृति	20
10.	पंडित चंद्रधर शर्मा गुलेरी – सुमिरिनी के मनके	21–22
11.	ब्रजमोहन व्यास – कच्चा चिट्ठा	23–24
12.	फणीश्वरनाथ 'रेणु' – संवदिया	25–26
13.	असगर वजाहत – शेर, पहचान, चार हाथ, साझा	27
14.	निर्मल वर्मा – जहाँ कोई वापसी नहीं	28–29
15.	ममता कालिया – दूसरा देवदास	30–31
16.	सूरदास की झोंपड़ी	32–33
17.	आरोहण	34–35
18.	अपना मालवा : खाऊ– उजाडू सभ्यता में	36
19.	रघुवीर सहाय	37–38
20.	मलिक मुहम्मद जायसी	39–40
21.	घनानंद	41
22.	भीष्म साहनी – गांधी, नेहरू और यास्सेर अराफात	42–43
23.	रामविलास शर्मा – यथास्मै रोचते विश्वम्	44–45
24.	हजारी प्रसाद द्विवेदी – कुटज	46–47
25.	बिस्कोहर की माटी	48–49
26.	अपठित गद्यांश	50–57
27.	अपठित पद्यांश	58–66
28.	रचनात्मक एवं व्यावहारिक लेखन	67–70
29.	काव्यांग परिचय	71–78
30.	मॉडल प्रश्न पत्र	79–105

अंतरा –2
हिन्दी साहित्य
कक्षा – XII

1 – जयशंकर प्रसाद

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न –

1. देवसेना ने जीवन में भ्रमवश कौनसी भूल की ?
2. देवसेना की वेदना का मूल कारण क्या था ?
3. देवसेना किससे प्रेम करती थी ?
4. 'देवसेना का गीत' प्रसाद जी के किस नाटक से उद्‌धृत है ?
5. 'देवसेना का गीत' में किन भावों को प्रमुखता दी गई ?
6. कार्नेलिया कौन थी ?
7. 'जहाँ पहुँच अनजान क्षितिज को मिलता एक सहारा' पंक्ति का भावार्थ लिखिए।
8. 'कार्नेलिया का गीत' कहाँ से लिया गया है ?
9. प्रसाद के प्रमुख नाटकों के नाम लिखिए ?
10. 'कार्नेलिया का गीत' का प्रतिपाद्य क्या है ?
11. 'लौटा लो यह अपनी थाती' पंक्ति में प्रयुक्त 'थाती' शब्द से क्या आशय है?
12. देवसेना का अन्तिम समय कहाँ और कैसे व्यतीत हुआ?
13. भाई की मृत्यु के बाद देवसेना ने क्या प्रतिज्ञा ली?
14. 'जहाँ पहुँच अनजान क्षितिज को मिलता एक सहारा' पंक्ति से भारत की किस विशेषता का पता चलता है?
15. देवसेना अपने जीवन में किससे विदा लेती है?
16. प्रसाद द्वारा रचित महाकाव्य का नाम बताइए?

लघूत्तरात्मक प्रश्न –

1. कवि ने आशा को बावली क्यों कहा?
2. देवसेना को जीवन में किन संकटों का सामना करना पड़ा?
3. 'देवसेना का गीत' कविता का भाव सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए।
4. देवसेना की आकांक्षाएँ पूर्ण क्यों नहीं हो सकी?

5. ''लौटा लो यह अपनी थाती
 मेरी करुणा हा हा खाती''
 पंक्ति का भावार्थ लिखिए।

6. देवसेना अपनी किस थाती को लौटा देना चाहती है और क्यों?
7. ''मेरी आशा आह! बावली, तूने खो दी सकल कमाई।'' पंक्ति के आधार पर देवसेना की मनः स्थिति का वर्णन कीजिए?
8. 'कार्नेलिया का गीत' में प्रातः कालीन सुषमा का सरस चित्रण हुआ है – कथन को स्पष्ट कीजिए।
9. 'कार्नेलिया का गीत' में भारत की सांस्कृतिक गौरवगाथा को किस प्रकार व्यक्त किया गया है ?
10. 'उड़ते खग जिस ओर मुँह किए – में क्या विशेष अर्थ व्यंजित होता है?
11. ''बरसाती आँखों के बादल – बनते जहाँ भरे करुणा जल'' पंक्ति का भावार्थ लिखिए।

निबंधात्मक प्रश्न –

1. 'देवसेना का गीत' कविता में प्रसाद जी ने देवसेना की वेदना का सजीव चित्रण किया है – कैसे?
2. 'कार्नेलिया का गीत' में व्यक्त प्रकृति चित्रों को अपने शब्दों में लिखिए।
3. 'देवसेना का गीत' के मूल कथ्य को अपने शब्दों में लिखिए।
4. 'कार्नेलिया का गीत' के आधार पर भारत की प्राकृतिक और सांस्कृतिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।
5. छल – छल थे संध्या के श्रमकण,
 आँसू – से गिरते थे प्रतिक्षण।
 मेरी यात्रा पर लेती थी –
 नीरवता अनंत अंगड़ाई।
 पंक्तियों का काव्य सौंदर्य स्पष्ट कीजिए।

6. जयशंकर प्रसाद का साहित्यिक परिचय दीजिए।

2 – सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न –

1. कवि निराला के अनुसार किसकी लौ बुझ गई है?
2. 'गीत गाने दो मुझे' कविता में कवि किसकी प्रेरणा देते हैं ?
3. 'बुझ गई है लौ पृथा की' कथन से कवि का क्या आशय है?
4. 'मर गया है जहर से संसार जैसे हार खाकर –' संसार किस प्रकार के जहर से भर गया है?
5. 'सरोज स्मृति' कैसा गीत है?
6. सरोज को श्रद्धांजलि के रुप में कवि क्या समर्पित करता है?
7. 'सरोज– स्मृति' कविता किस पर केन्द्रित है?
8. 'सरोज स्मृति' कविता का मुख्य भाव क्या है?
9. कवि निराला किस छंद के प्रवर्तक माने जाते हैं ?
10. कवि निराला द्वारा रचित प्रबंधात्मक कविताओं के नाम लिखिए?
11. निराला जी की प्रमुख काव्य कृतियों के नाम बताइए?
12. निराला जी ने किन पत्रिकाओं का संपादन किया?
13. गीत गाने दो मुझे, वेदना को रोकने को – पंक्तियों का भावार्थ लिखिए।
14. ह्दय की वेदना को भूलने के लिए कवि निराला क्या करना चाहते हैं?

लघूत्तरात्मक प्रश्न –

1. 'गीत गाने दो मुझे' कविता का मूल प्रतिपाद्य क्या है?
2. 'गीत गाने दो मुझे' कविता निराशा में आशा का संचार करती है। स्पष्ट कीजिए।
3. 'जल उठो फिर सींचने को' पंक्ति का भाव–सौंदर्य अपने शब्दों में लिखिए।
4. कवि निराला किन अवसरों पर अपनी स्वर्गीया पत्नी को याद करते हैं।
5. 'कन्ये, गत कर्मों का अर्पण कर, करता में तेरा तर्पण' उक्त पंक्ति के आधार पर निराला की पीड़ा और विवशता पर अपने विचार लिखिए।
6. कवि निराला के आत्म कथन 'दुख ही जीवन की कथा रही' की वेदना को 'सरोज – स्मृति' के आधार पर स्पष्ट कीजिए।
7. कंठ रुकता जा रहा है, आ रहा है काल देखो। पंक्ति से कवि ने समाज की किस दुर्दशा का चित्रण किया है?

8. ' हाथ जो पाथेय थे, ठग –
   ठाकुरों ने रात लूटे, –
   प्रस्तुत पंक्तियों के भाव– सौंदर्य को स्पष्ट कीजिए।
9. 'सरोज स्मृति' कविता में निराला ने अपनी पुत्री की तुलना किससे और क्यों की?

निबन्धात्मक प्रश्न –

1. स्वयं के जीवन की अभिव्यक्ति कवि निराला ने 'गीत गाने दो मुझे' कविता के माध्यम से की है। कैसे? स्पष्ट कीजिए।
2. सरोज के नव – वधू रुप का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।
3. 'सरोज स्मृति' की मूल संवेदना को स्पष्ट कीजिए।
4. ' वह लता वहीं की, जहाँ कली तू खिली 'पंक्ति के द्वारा किस प्रसंग को उद्‌घाटित किया गया है?
5. 'सरोज स्मृति' एक शोकगीत है। इस कथन के आधार पर उक्त कविता की मूल संवेदना स्पष्ट कीजिए।
6. भर गया है जहर से
   संसार जैसे हार खाकर,
   देखते है लोग लोगों को,
   सही परिचय न पाकर,
   उपर्युक्त पंक्तियों का काव्य सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए।
7. 'सरोज स्मृति' की निम्न पंक्तियों का काव्य सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए–
   उर में भर झूली छबि सुन्दर
   प्रिय की अशब्द श्रृंगार – मुखर
   तू खुली एक – उच्छ्‌वास – संग,
   विश्वास – स्तब्ध बँध अंग – अंग ''
8. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला का साहित्यिक परिचय लिखिए।

3–सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न

1. कवि अज्ञेय किस समाचार साप्ताहिक पत्र के संस्थापक संपादक थे?
2. 'अज्ञेय' द्वारा संपादित पत्रिकाओं के नाम लिखिए।
3. 'अज्ञेय' को कब और किस कृति पर भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त हुआ?
4. 'अज्ञेय' द्वारा रचित किन्हीं दो कहानी संग्रह के नाम लिखिए।
5. 'अज्ञेय' द्वारा रचित 'अपने–अपने अजनबी' किस विधा की रचना है?
6. 'अज्ञेय' की संपूर्ण कविताओं का संकलन किस नाम से प्रकाशित हुआ?
7. 'यह दीप अकेला' कविता में दीप किसका प्रतीक है?
8. 'मैंने देखा एक बूंद' कविता में 'बूंद' और 'सागर' किसके प्रतीक हैं?
9. कवि व्यक्ति को समाज से क्यों जोड़ना चाहते है?
10. 'मैने देखा एक बूंद' कविता के माध्यम से अज्ञेय ने क्या संदेश दिया है?
11. 'यह दीप अकेला' कविता अज्ञेय के किस काव्य–संग्रह से ली गई है?
12. दीपक और पंक्ति किसके प्रतीक है?
13. 'पनडुब्बा ये मोती सच्चे फिर कौन कृती लाएगा।' पंक्ति का भाव लिखिए।
14. विराट के सम्मुख बूंद का समुद्र से अलग दिखना, किससे मुक्ति का अहसास है?

लघूत्तरात्मक प्रश्न –

1. यह दीप अकेला स्नेह भरा, पर इसको भी पंक्ति को दे दो' के आधार पर बताइए कि व्यष्टि का समष्टि में विलय क्यों और कैसे संभव है?

2. 'यह दीप अकेला' कविता के आधार पर 'लघु मानव' के अस्तित्व और महत्व को उजागर कीजिए।

3. सूने विराट् के सम्मुख
हर आलोक –छुआ अपनापन
है उन्मोचन
नश्वरता के दाग से।
उपर्युक्त पंक्तियों का भावार्थ स्पष्ट कीजिए।

4. ''यह समिधा – ऐसी आग हठीला बिरला सुलगाएगा।''
पंक्ति का भाव लिखिए।

5. 'यह वह विश्वास, नहीं जो अपनी लघुता में भी काँपा,
   वह पीड़ा, जिस की गहराई को स्वयं उसी ने नापा;
   उपर्युक्त पंक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिए।
6. 'यह अंकुर फोड़ धरा को रवि को तकता निर्भय' पंक्ति का मूल भाव क्या है?
7. 'यह दीप अकेला' कविता में व्यष्टि एवं समष्टि के संतुलन को आवश्यक क्यों माना गया है? अपने विचार लिखिए।
8. 'मैंने देखा एक बूंद' कविता की दार्शनिकता पर विचार कीजिए।

निबंधात्मक प्रश्न –

1. 'मैंने देखा एक बूंद' कविता का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।
2. 'यह दीप अकेला' कविता का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए।
3. यह मधु है – स्वयं काल की मौना का युग संचय,
   यह गोरस – जीवन – कामधेनु का अमृत – पूत पय,
   पंक्तियों के काव्य –सौंदर्य को स्पष्ट कीजिए।
4. 'यह अद्वितीय' – यह मेरा – यह मैं स्वयं विसर्जित' पंक्ति के आधार पर व्यष्टि के समष्टि में विसर्जन की उपयोगिता बताइए।
5. 'अज्ञेय' का साहित्यिक परिचय लिखिए।

4–केदारनाथ सिंह

अतिलघूत्तरात्क प्रश्न–

1. 'खाली कटोरों मे बसन्त का उतरना' पंक्ति का आशय क्या है ?
2. ''और खाली होता है यह शहर'' यहाँ 'शहर' शब्द किस नगर के लिए प्रयुक्त हुआ है ?
3. कवि ने 'बनारस' कविता में किसकी विशेषता का वर्णन किया है ?
4. भिखारियों के खाली कटोरों मे बसन्त कैसे उतरता है ?
5. बनारस कविता में किस ऋतु का उल्लेख हुआ है ?
6. बच्चे ने हिमालय को किस दिशा में बताया ?
7. बच्चे का 'इधर–उधर' कहना क्या प्रकट करता है ?
8. 'दिशा' शीर्षक कविता का मूल्य कथ्य क्या है?
9. कवि केदारनाथ सिंह को उनकी किस रचना पर 'साहित्य अकादमी पुरस्कार' दिया गया?
10. केदारनाथ सिंह के प्रमुख काव्य संग्रह के नाम लिखिए।

लघूत्तरात्मक प्रश्न–

1. बनारस की पूर्णता और रिक्तता को कवि ने कैसे व्यक्त किया है?
2. बनारस में धीरे–धीरे होने की सामूहिक लय में क्या–क्या बंधा है ?
3. ' बनारस' कविता मे कवि ने संध्या आरती का जो दृश्य प्रस्तुत किया है उसे अपने शब्दों में लिखिए।
4. 'यह शहर इसी तरह खुलता है
इसी तरह भरता है
और खाली होता है यह शहर'
पंक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिए।
5. 'दिशा' लघु कविता में बाल मनोविज्ञान का सहज चित्रण किस प्रकार किया गया है ?
6. 'मैं स्वीकार करूँ
मैंने पहली बार जाना हिमालय किधर है ?–
पंक्तियों का भाव– सौंदर्य स्पष्ट कीजिए।
7. बनारस में बसन्त के आगमन का क्या प्रभाव पड़ता है ?
8. 'दिशा' कविता में बालक हिमालय कौनसी दिशा में बताता है? और क्यों ?

निबन्धात्मक प्रश्न–

1. 'दिशा' कविता का मूल प्रतिपाद्य लिखिए।
2. निम्न पंक्तियों का काव्य–सौंदर्य स्पष्ट कीजिए।
कभी सई–साँझ

बिना किसी सूचना के
घुस जाओं इस शहर में
कभी आरती के आलोक में
इसे अचानक देखो
अद्भुत है इसकी बनावट

3. केदारनाथ सिंह का साहित्यिक परिचय दीजिए।

5–विष्णु खरे

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

1. कविता 'एक कम' से कवि का क्या अभिप्राय है?
2. कविता 'एक कम' का वर्ण्य विषय क्या है ?
3. हाथ फैलाकर रोटी माँगने वाले व्यक्ति को कवि ने ईमानदार क्यों कहा ?
4. 'एक कम' कविता के आधार पर बताएँ कि आजादी मिलने के बाद ईमानदार लोगों की स्थिति कैसी हो गई ?
5. सन् 1947 के बाद कवि ने क्या देखा ?
6. भिखारी कवि को किस रूप में आश्वस्त करता है ?
7. 'एक कम' कविता में किस पर व्यंग्य किया गया है ?
8. कवि ने स्वयं को लाचार, कमजोर और धोखेबाज क्यों कहा है ?
9. युधिष्ठिर के पुकारने पर भी विदुर कहाँ चले गए थे ?
10. सत्य की पहचान कैसे की जा सकती है ?
11. सत्य के दिखने और ओझल होने से कवि क्या कहना चाहते हैं ?
12. हम सत्य की पहचान कैसे कर सकते हैं ?

लघूत्तरात्मक प्रश्न –

1. ''मैं तुम्हारा विरोधी प्रतिद्वन्द्वी या हिस्सेदार नहीं'' से कवि का क्या अभिप्राय है ?
2. ईमानदारी और सत्य की राह कठिन सही परन्तु आत्मिक सुख और शांति प्रदान करती है। कैसे ?
3. ''कि अब जब आगे कोई हाथ फेलाता है
   पच्चीस पैसे एक चाय या दो रोटी के लिए
   तो जान लेता हूँ
   मेरे सामने एक ईमानदार आदमी, औरत या बच्चा खड़ा है।''
   उपर्युक्त पंक्तियों का काव्य–सौंदर्य स्पष्ट कीजिए।
4. अपने सामने हाथ फैलाए खड़े भिखारी को देखकर कवि के मन में क्या विचार उठते हैं?
5. सत्य और संकल्प में क्या कोई अन्तर्सम्बन्ध हो सकता है ?
   'सत्य' कविता के आधार पर अपने विचार प्रकट कीजिए।
6. सत्य शायद जानना चाहता है कि उसके पीछे हम कितनी दूर तक भटक सकते हैं– पंक्तियों मे कवि ने सत्य के सम्बन्ध में क्या कहा है ?
7. आजादी के बाद भी एक बड़ा वर्ग पिछड़ता जा रहा हैं, 'एक कम' कविता के अनुसार इसका क्या कारण है ? स्पष्ट करें।

निबन्धात्मक प्रश्न–

1. सन् 47 के बाद लोगों ने आत्मनिर्भर, मालामाल और गतिशील होने के लिए किन तरीकों का प्रयोग किया? कवि ने स्वयं को हर होड़ से अलग क्यों कर लिया? 'एक कम' कविता के आधार पर विवेचना कीजिए।
2. 'सत्य कविता का मूल प्रतिपाद्य क्या है ?
3. आज हमारा देश किन समास्याओं से ग्रस्त है ? कारण और उपाय का संक्षेप में वर्णन कीजिए।
4. क्या 'युधिष्ठिर जैसा संकल्प' रखकर सत्य की प्राप्ति की जा सकती है? अपने विचार लिखिए।

6–तुलसीदास

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न–

1. पाठ्यपुस्तक में प्रस्तुत दोहे और चौपाई तुलसीदास के किस महाकाव्य से उदघृत हैं ?
2. राम को वापस लाने के लिए भरत कहाँ गए थे ?
3. खेलते समय भरत जब हारने वाले होते थे तो राम क्या करते थे ?
4. 'अपराधिहु पर कोह न काऊ' से राम के किस स्वभाव को पता चलता है ?
5. राम– वियोग में कौशल्या किसे छाती से लगाती है ?
6. कौशल्या अपने संदेश में राम से क्या कहती है ?
7. 'भरत–राम का प्रेम' पद कहाँ से लिए गए हैं ?
8. कवि तुलसी ने माता कौशल्या के दुःख की तुलना किससे की है ?
9. ''पुलकि सरीर सभा भए ठाढे'' पंक्ति मे जिस सभा का उल्लेख हुआ है, वह कहाँ हुई ?
10. भरत के आत्मपरिताप मे उनके चरित्र की किन विशेषताओं को प्रकट किया गया है ?
11. श्रीरामचरितमानस किस भाषा में लिखा गया महाकाव्य है ?

लघूत्तरात्मक प्रश्न–

1. 'मैं जानउँ निज नाथ सुभाऊ।' द्वारा राम के स्वभाव की किन विशेषताओं का वर्णन किया गया है ?
2. ''हृदयँ हेरि हारेऊँ सब ओरा।
   एकहि भाँति भलेंहि भलमोरा।।''
   भरत के अनुसार उनका भला कौन और कैसे कर सकता है ?
3. 'जननी निरखति बान धनुहियाँ' पद के आधार पर माता कौशल्या की मनोदशा का संक्षेप में वर्णन कीजिए।
4. ''महूँ सनेह संकोच बस सनमुख कही न बैन'' पंक्ति का भाव सौंदर्य स्पष्ट कीजिए।
5. 'महीं सकल अनरथ कर मूला' पंक्ति के आधार पर भरत के मन मे उठे भावों का स्पष्टीकरण कीजिए।
6. ''तद्पि दिनहिं दिन होत झाँवरे मनहुँ कमल हिममारे।'' पंक्ति का काव्य–सौंदर्य स्पष्ट कीजिए।

निबन्धात्मक प्रश्न–

1. ''राघौ एक बार फिरि आवौ'' पद में निहित करूणा और संदेश को अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए।
2. 'फरह कि कोदव बालि सुसाली।

मुक्ता प्रसव कि संबुक काली।।
पंक्ति में निहित भाव और शिल्प–सौंदर्य को स्पष्ट कीजिए।

3. आज के अवसरवादी और स्वार्थपरक युग में क्या राम और भरत जैसा भ्रातृप्रेम संभव है? विचार कीजिए।
4. ''लाभ–लोभ से मुक्ति तथा संपूर्ण समर्पण से व्यक्ति महानता हासिल कर सकता है।'' कथन के संदर्भ मे भरत की चारित्रिक विशेषताओं को उजागर कीजिए।
5. महाकवि तुलसी का साहित्यिक परिचय लिखिए।

7– विद्यापति

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

1. कवि विद्यापति किस राजा के आश्रय में रहते थे?
2. विरहिणी नायिका का प्रेम के विषय में क्या विचार है?
3. रानी लक्ष्मणादेवी अथवा लखमावती किसकी पत्नी थी?
4. राधा को जीवन भर किससे तृप्ति नहीं हुई?
5. विरह में राधा का शरीर किसके समान क्षीण होता जा रहा है?
6. कवि विद्यापति की प्रमुख रचनाओं के नाम लिखिए।
7. कवि विद्यापति रचित पदावली की भाषा क्या है?
8. कवि विद्यापति ने अपभ्रंश भाषा में किन ग्रंथों की रचना की?
9. कवि विद्यापति को किन उपाधियों से सम्मानित किया जाता है।
10. ''के पतिआ लए जाएव रे मोरा पिअतम पास'' पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

1. ''जनम अवधि हम रूप निहारल, नयन न तिरपित भेल'' पंक्ति के आधार पर विरहिणी नायिका की मनः स्थिति का वर्णन कीजिए।
2. ''सखि अनकर दुख दारून रे जग के पतिआए'' पंक्ति में नायिका क्या कहना चाहती है?
3. आशय स्पष्ट कीजिए–
   कुसुमित कानन हेरि कमलमुखि, मूदि रहए दु नयान।
   कोकिल कलरव, मधुकर धुनि सुनि, कर दइ झाँपइ कान।।
4. ''सेह पिरिति अनुराग वखानिअ तिल तिल नूतन होए'' पंक्ति का भाव–सौंदर्य स्पष्ट कीजिए
5. कवि विद्यापति द्वारा रचित पदों के आधार पर बताइए कि बसंत ऋतु का नायिका पर क्या प्रभाव पड़ता है?

निबन्धात्मक प्रश्न

1. किस कारण से नायिका के प्राण तृप्त नहीं हो पाते हैं? स्पष्ट कीजिए।
2. ''मोर मन हरि हर लए गेल रे अपनो मन गेल
   गोकुल तेजि मधुपुर बस रे कन अपजस लेल'' उपर्युक्त पंक्तियों के काव्य सौदर्य पर प्रकाश डालिए।
3. विद्यापति का साहित्यिक परिचय दीजिए।

8–केशवदास

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

1. वाग्देवी सरस्वती की उदारता का वर्णन क्यों नहीं किया जा सकता है?
2. कवि केशव के अनुसार भगवान शिव की तरह मुक्ति कौन देती है?
3. पंचवटी की तुलना किससे की गई है?
4. केशव रचित प्रथम पद में किस देवी की आराधना की गई है
5. श्रीरघुनाथ–प्रताप की बात तुम्है दसकंठ न जानि परी'' पंक्ति में रावण पर क्या व्यंग्य किया गया है?
6. तेलन तूलनि पूँछि जरी न जरी, जरी लंक जराई जरी'' पंक्ति का शिल्प–सौंदर्य स्पष्ट कीजिए।
7. कवि केशवदास किस राजा के आश्रित कवि थे?
8. कवि केशवदास की प्रमुख रचनाओं के नाम लिखिए।
9. पाठ्यपुस्तक में संकलित पद कवि केशवदास की किस रचना से लिए गए हैं?

लघूत्तरात्मक प्रश्न

1. पंचवटी की महिमा का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।
2. ''भावी भूत वर्तमान जगत बखानत है केसोदास, क्यों हू ना बखानी काहू पै गई'' पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।
3. ''सब जाति फटी दुख की दुपटी कपटी न रहै जहँ एक घटी'' इस पंक्ति का भाव स्पष्ट कजिए।

निबन्धात्मक प्रश्न

1. पति बर्नै चारमुख पूत बर्नै पंचमुख नाती बर्नै षट्मुख तदपि नई–नई''– पंक्ति का काव्य–सौंदर्य स्पष्ट कीजिए।
2. बाँधोई बाँधत सो न बँध्यो उन बारिधि बाँधिकै बाट करी। पंक्ति का काव्य सौंदर्य स्पष्ट कीजिए।
3. कवि केशवदास का साहित्यिक परिचय लिखिए।

गद्य खण्ड
9– प्रेमघन की छाया–स्मृति
रामचंद्र शुक्ल

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

1. आचार्य शुक्ल का 'प्रेमघन' से प्रथम परिचय कहाँ हुआ?
2. किस प्रेस की किताबे आचार्य शुक्ल के घर आया करती थी?
3. आचार्य शुक्ल के पिताजी क्यों नही चाहते थे कि वे भारत जीवन प्रेस की पुस्तके पढ़ें?
4. आचार्य शुक्ल कहाँ से पुस्तकें लाकर पढ़ते थे?
5. आचार्य शुक्ल के पिताजी की किन्हीं दो विशेषताओं को बताइए।
6. शुक्ल जी के समवयस्क मित्रों की हिन्दी प्रेमी मंडली का लोगों ने क्या नाम रख दिया था?
7. बदरी नारायण चौधरी किस स्वभाव के व्यक्ति थे?
8. 'आचार्य शुक्ल रचित 'चिंतामणि' किस विधा की पुस्तक है?
9. शुक्ल जी की गद्यशैली कैसी थी?
10. चौधरी साहब मिर्जापुर का क्या अर्थ करते थे?

लघूत्तरात्मक प्रश्न

1. ''इस पुरातत्व की दृष्टि में प्रेम और कुतूहल का अद्‌भुत मिश्रण रहता था'' शुक्ल जी ने 'प्रेमघन' के सम्बन्ध में यह कथन क्यों कहा? अपने विचार लिखिए।
2. प्रस्तुत संस्मरण के आधार पर चौधरी जी की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।
3. बदरी नारायण चौधरी से सम्पर्क बढ़ने पर शुक्ल जी को क्या पता चला?
4. चौधरी बदरी नारायण जी की मान्यताएँ दृढ थी–पाठ के आधार पर पुष्टि कीजिए।
5. बदरी नारायण चौधरी कौन–सी भाषा के समर्थक थे?

निबन्धात्मक प्रश्न

1. ''भारतेंदु जी के मकान के नीचे का यह हृदय–परिचय बहुत शीघ्र गहरी मैत्री में परिणत हो गया'' कथन का आशय स्पष्ट कीजिए।
2. चौधरी बदरी नारायण की वाग्विदग्धता एवं वचन–भंगिमा पर प्रकाश डालने हेतु पाठ में आए प्रसंगो का उल्लेख कीजिए।
3. आचार्य रामचंद्र शुक्ल का साहित्यिक परिचय दीजिए।

10–सुमिरिनी के मनके
पं. चंद्रधर शर्मा गुलेरी

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

1. घड़ी के दृष्टान्त से लेखक ने किस पर व्यंग्य किया है?
2. 'ढेले चुल लो' वृतान्त में भारतेन्दु हरिश्चंद्र के किस नाटक का उल्लेख किया गया है?
3. वैदिक काल में हिन्दुओं में पत्नी चुनने के लिए क्या प्रयोग किए जाते थे?
4. बालक ने पुरस्कार स्वरूप क्या माँगा था?
5. तीन गृह्यसूत्रों के नाम बताइए, जिसमें ढेलों की लॉटरी का उल्लेख है?
6. पंडित गुलेरी जी ने किन पत्रिकाओं का संपादन कार्य किया? नाम लिखिए।
7. पंडित चंद्रधर शर्मा गुलेरी को किस उपाधि से सम्मानित किया गया?
8. कौन–सा ढेला उठाने पर संतान वैदिक पंडित होती थी?

लघूत्तरात्मक प्रश्न

1. ''रटन्त विद्या बालक के स्वाभाविक विकास को अवरूद्ध कर देती है।'' कथन पर अपने विचार लिखिए।
2. 'बालक बच गया' लघु कथा आज के प्रतियोगी युग में किस प्रकार सार्थक संदेश देती है? स्पष्ट कीजिए।
3. मैं जीवन पर्यन्त लोकसेवा करूँगा''। मासूम बालक ने ऐसा क्यों कहा?
4. लेखक ने कब सुख की साँस भरी? 'बालक बच गया' लघुकथा के आधार पर उत्तर दीजिए।
5. लेखक द्वारा धर्म का रहस्य जानने के लिए 'घड़ी के पुर्जे' का दृष्टान्त दिया जाना कितना उचित है? तर्क सहित बताइए।
6. आशय स्पष्ट कीजिए–
   ''वेदशास्त्रज्ञ धर्माचार्यों का ही काम है कि घड़ी के पुर्जे जानें तुम्हे इससे क्या?
7 वैदिक काल में हिन्दुओं में चलने वाली किस लॉटरी का जिक्र लेखक ने किया?

8 क्या आज के समय में जीवन साथी का चुनाव किसी अंधविश्वास या मान्यता पर किया जा सकता है? उचित उत्तर दीजिए।

निबन्धात्मक प्रश्न

1. 'बालक बच गया' लघु कथा में किन स्थलों पर ऐसा ज्ञात होता है कि उसकी स्वाभाविक प्रवृत्तियों का गला घोंटा जा रहा है?
2. 'धर्म का रहस्य जानना वेदशास्त्र धर्माचार्यों का ही काम है। अगर यह सत्य है तो आम आदमी और समाज धर्म से कैसे परिचित हो सकेगा? विचार लिखिए।
3. अपने घर में आस–पास दिखाई देने वाले किसी अंध–विश्वास पर एक लेख लिखिए।
4. आज का कबूतर अच्छा है कल के मोर से आज का पैसा अच्छा है कल की मोहर से। आँखों देखा ढेला अच्छा ही होना चाहिए लाखों कोस के तेज पिंड से'। कथन का आशय 'ढेले चुन लो' लघु कथा के आधार पर स्पष्ट कीजिए।
5. गुलेरी जी का साहित्यिक परिचय दीजिए।

11–कच्चा चिट्ठा
ब्रजमोहन व्यास

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

1. पसोवा की प्रसिद्धी का क्या कारण था?
2. ब्रजमोहन व्यास ने पुरातत्व सामग्री का संकलन संरक्षण किसके लिए किया था?
3. प्रयाग संग्रहालय के नवीन विशाल भवन का उद्घाटन किसने किया था?
4. ओरियंटल कॉन्फ्रेंस का अधिवेशन कहाँ पर हुआ था?
5. बुढ़िया ने कितने रूपये लेकर मूर्ति दी?
6. कौशाम्बी से लौटते हुए व्यास जी अपने साथ क्या लाए थे?
7. चतुर्मुख शिव की मूर्ति लेखक को कहाँ से प्राप्त हुई थी?
8. ब्रजमोहन व्यास की प्रमुख रचनाओं के नाम लिखिए।
9. तालपत्र पर लिखी पोथियाँ व्यास जी ने कहाँ से प्राप्त की?
10. 1938 में गवर्नमेंट ऑफ इण्डिया के पुरातत्व विभाग के डायरेक्टर–जनरल कौन थे?

लघूत्तरात्मक प्रश्न

1. ''अपना सोना खोटा तो परखवैया का कौन दोस?'' से लेखक का क्या तात्पर्य है?
2. क्या 'ईमान' पर टिके रहकर व्यास जी इतना बड़ा संग्रहालय खड़ा कर सकते थे? स्पष्ट कीजिए।
3. भद्रमथ शिलालेख की क्षतिपूर्ति किस प्रकार हुई?
4. ''तीनों कारणों में से प्रत्येक मुझे प्रलुब्ध करने के लिए पर्याप्त थे'' – इस वाक्य के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए कि व्यास जी को ललचाने वाले तीन कारण कौनसे थे?
5. तालपत्र पर लिखी पोथियाँ व्यास जी ने कैसे प्राप्त की?
6. व्यास जी ने पाठ के अंत में कवि ठाकुर के कवित को किस उद्धेश्य से दिया?
7. लेखक बुढ़िया से बोधिसत्व की आठ फुट लम्बी सुन्दर मूर्ति प्राप्त करने में कैसे सफल हुए?
8. श्री निवास जी के पास पुरातात्विक महत्व की कौनसी सामग्री थी? व्यास जी ने उनसे क्या खरीदा था?

निबन्धात्मक प्रश्न

1. आशय स्पष्ट कीजिए–
   ''ईमान! ऐसी कोई चीज मेरे पास हुई नहीं तो उसके डिगने का कोई सवाल नहीं उठता। यदि होता तो इतना बड़ा संग्रह बिना पैसा–कोड़ी के हो ही नही सकता''
2. प्रयाग संग्रहालय के नए भवन का निर्माण व्यास जी ने किस प्रकार कराया?
3. ब्रजमोहन व्यास का साहित्यिक परिचय लिखिए।

12–संवदिया
फणीश्वर नाथ 'रेणु'

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

1. 'संवदिया' पाठ में संवदिया का नाम क्या था?
2. हरगोबिन संवदिया कहाँ का रहने वाला था?
3. गाँव के लोग संवदिया को क्या समझते थे?
4. बड़ी हवेली से बुलावा आने पर हरगोबिन संवदिया को अचरज क्यों हुआ?
5. बड़ी बहुरिया अपने मायके संदेश क्यों भेजना चाहती थी?
6. हरगोबिन संवाद लेकर कहाँ गया था?
7. बड़ी बहुरिया की माँ ने संवदिया के साथ क्या सामग्री भेजी थी?
8. संवदिया से क्या अभिप्राय है?
9. बड़ी हवेली की बड़ी बहुरिया की स्थिति कैसे थी?
10. हरगोबिन ने मोदिआइन के व्यवहार पर क्या किया?
11. हरगोबिन बड़ी बहुरिया का संवाद क्यों नही सुना सका?
12. 'रेणु' के प्रमुख कहानी संग्रहों के नाम लिखिए।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

1. बड़ी बहुरिया अपने मायके संदेश क्यों भेजना चाहती थी?
2. आशय स्पष्ट कीजिए–
   ''संवाद पहुँचाने का काम सभी नहीं कर सकते। आदमी भगवान के घर से संवदिया बनकर आता है।''

3 ''संवदिया डटकर खाता है और अफर कर सोता है।'' क्यों? स्पष्ट करें।

4 ''हरगोबिन ने देखी अपनी आँखो से द्रोपद्री की चीरहरण लीला''– पंक्ति में किस घटना का वर्णन हुआ है?

5'' मैं किसके लिए इतना दुःख झेलूँ? बड़ी बहुरिया के ऐसा सोचने का क्या कारण था?

6 गाड़ी पर सवार होने के बाद संवदिया के मन के काँटे की चुभन का अनुभव क्यों हुआ?

निबन्धात्मक प्रश्न

1. हरगोबिन ने क्या सोचकर बड़ी बहुरिया का संदेश उनकी माँ को नही सुनाया? संक्षेप में बताएँ।

2. हरगोबिन ने गाँव की प्रतिष्ठा को धूमिल होने से किस प्रकार बचाया?
3. संवदिया कहानी की मूल संवेदना को स्पष्ट कीजिए।
4. संवदिया कहानी के प्रमुख पात्र हरगोबिन का चरित्र–चित्रण कीजिए।
5. फणीश्वर नाथ 'रेणु' का साहित्यिक परिचय दीजिए।

13–शेर, पहचान, चार हाथ, साझा
असगर वजाहत

लघूत्तरात्मक प्रश्न

1. लघुकथा 'शेर' में शेर किसका प्रतीक है?
2. लघुकथा 'शेर' में शेर को किसका समर्थक बताया है?
3. रोजगार कार्यालय और शेर के मुँह में क्या फर्क है?
4. गधे ने शेर के मुँह में जाने का क्या कारण बताया?
5. आँखे बंद करवाने के पीछे राजा का क्या मकसद था?
6. लोमड़ी स्वेच्छा से शेर के मुँह में क्यों चली जा रही थी?
7. मिल मालिक क्यों चाहता था कि मजदूरों के चार हाथ हो जाएँ?
8. मिल मालिक ने उत्पादन दोगुना करने के लिए क्या किया?
9. 'चार हाथ' कथा किस व्यवस्था को उजागर करती है?
10. 'साझा' कहानी का प्रतीकार्थ क्या है?
11. हाथी ने किसान के साथ साझे में किसकी खेती की? हाथी ने किसान को क्या विश्वास दिलाया?

लघुत्तरात्मक प्रश्न

1. 'शेर' लघुकथा में निहित व्यंग्य को स्पष्ट कीजिए।
2. आँखे बंद रखने और आँखे खोलकर देखने के क्या परिणाम निकले? 'पहचान' लघुकथा के आधार पर बताइए।
3. 'पहचान' लघुकथा में किस पर व्यंग्य किया गया है?
4. हाथी ने आधी–आधी फसल किस तरह बाँटी?
5. मिल मालिक के स्वभाव पर अपने विचार प्रकट कीजिए।
6. 'साझा' लघुकथा का संदेश अपने शब्दों में लिखिए।

निबन्धात्मक प्रश्न

1. 'शेर' कहानी के आधार पर हमारी आज की राजनीतिक व्यवस्था पर टिप्पणी कीजिए।
2. 'साझा' लघुकथा के मूल प्रतिपाद्य को अपने शब्दों मे व्यक्त कीजिए।
3. 'चार हाथ' लघुकथा ''पूँजीवादी व्यवस्था में मजदूरों के शोषण को उजागर करती है–इस कथन की विवेचना कीजिए।
4. असगर वजाहत का साहित्यिक परिचय लिखिए।

14–जहाँ काई वापसी नहीं
निर्मल वर्मा

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

1. 'जहाँ कोई वापसी नहीं' यात्रा वृत्तान्त निर्मल वर्मा के किस संग्रह से लिया गया है?
2. 'अमझर' से आप क्या समझते हैं?
3. सिंगरौली का नाम प्राकृतिक सौंदर्य के कारण क्या कहलाता था?
4. सिंगरौली का नाम पुरानी दंतकथा के अनुसार क्या था?
5. लोकायन संस्था सिंगरौली क्यों गई थी?
6. सिंगरौली को काला पानी क्यों माना जाता था?
7. आधुनिक भारत के नए शरणार्थी किनको कहा गया है?
8. औद्योगीकरण से आप क्या समझते है?
9. लेखन के अनुसार स्वातन्त्र्योत्तर भारत की सबसे बड़ी ट्रेजेडी क्या है?
10. प्राकृतिक विस्थापन और औद्योगिक विस्थापन में क्या अंतर है?
11. विरोध के कौनसे स्वरूप का इस्तेमाल अमझर गाँव वालों ने किया?
12. निर्मल वर्मा के प्रमुख कहानी संग्रहों के नाम लिखिए।
13. निर्मल वर्मा को कब और किस रचना के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार दिया गया?
14. निर्मल वर्मा रचित किन्हीं दो उपन्यासों के नाम लिखिए।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

1. औद्योगीकरण ने पर्यावरण को कैसे प्रभावित किया है? 'जहाँ कोई वापसी नहीं'' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।
2. आशय स्पष्ट कीजिए–
   '' कभी–कभी किसी इलाके की संपदा ही उसका अभिशाप बन जाती है।''
3. लेखन ने विस्थापन की समस्या का उल्लेख करते हुए प्रकृति और इतिहास के बीच क्या गहरा अन्तर बताया?
4. प्रकृति और संस्कृति इंसानी सभ्यता के लिए कैसे जरूरी है?
5. लेखक के अनुसार आने वाले समय में सिंगरौली क्षेत्र की स्थिति क्या होगी?
6. 'जहाँ कोई वापसी नहीं' पाठ का मूल प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए।

निबन्धात्मक प्रश्न

1. औद्योगीकरण से हुए विस्थापन पर एक लेख लिखिए।
2. लेखक ने भारत की स्वतन्त्रता के बाद हुए औद्योगीकरण को सबसे बड़ी ट्रेजडी क्यों माना?
3. क्या विकास की औद्योगिक सभ्यता वास्तव में उजाड़ की अपसभ्यता है? 'जहाँ कोई वापसी नही' पाठ के आधार पर तर्क सहित उत्तर दीजिए।
4. निर्मल वर्मा का साहित्यिक परिचय दीजिए।

15–दूसरा देवदास
ममता कालिया

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

1. 'दूसरा देवदास' कहानी की लेखिका का नाम बताइए।
2. कहानी 'दूसरा देवदास' कहानी का नायक कौन है?
3. संभव की पारो से मुलाकात कहाँ हुई?
4. कहानी 'दूसरा देवदास' में गंगापुत्र किसे कहा गया?
5. 'दूसरा देवदास' कहानी की मूल संवेदना बताइए।
6. लोग गंगा आरती करने क्यों आते हैं?
7. मंसा देवी मंदिर में मंसा देवी किस रूप में विराजमान थी?
8. मनोकामना की गाँठ विचित्र है, इधर बाँधों और उधर पूरी हो जाती है। यह किसने सोचा?
9. रूद्राक्ष की मालाओं वाली गुमटी पर क्या लिखा हुआ था?
10. हर की पौड़ी पर स्पेशल आरती से क्या तात्पर्य है?
11. गंगा पुत्रों की आजीविका कैसे चलती है?
12. लेखिका ममता कालिया के दो कहानी संग्रहो के नाम लिखिए।
13. पुजारी ने संभव और पारो को एक साथ खड़ा देखकर क्या आशीर्वाद दिया?
14. पारो से प्रथम भेंट के बाद संभव की मनोदशा कैसे हो गई?

लघूत्तरात्मक प्रश्न

1. 'दूसरा देवदास' कहानी के आधार पर हर की पौड़ी पर होने वाली गंगा आरती का सरस चित्रण अपने शब्दों में लिखिए।
2. केबिलकार में बैठे हुए संभव के मन में उठने वाली कल्पनाओं का वर्णन कीजिए।
3. आशय स्पष्ट कीजिए–
   ''एकदम अंदर के प्रकोष्ठ में चामुण्डा रूप धारिणी मंसादेवी स्थापित थी। व्यापार यहाँ भी था।''
4. 'दूसरा देवदास' कहानी के शीर्षक का औचित्य सिद्ध कीजिए।
5. 'दूसरा देवदास' कहानी के आधार पर गंगा पुत्रों के जीवन परिवेश को चित्रित कीजिए।

निबन्धात्मक प्रश्न

1. ''पारो बुआ, पारो बुआ इनका नाम है.......... उसे भी मनोकामना का पीला–लाल धागा और उसमें पड़ी गिठान का मधुर स्मरण हो आया''। कथन के आधार पर कहानी के संकेतपूर्ण आशय पर टिप्पणी लिखिए।
2. 'दूसरा देवदास' कहानी की मूल संवेदना पर प्रकाश डालिए।
3. पुजारी ने लड़की के 'हम' को युगल अर्थ में लेकर क्या आशीर्वाद दिया और पुजारी के इस भ्रम का परिणाम क्या हुआ?
4. मनोकामना की गाँठ को अद्‌भुत अनोखी क्यों बताया गया है? दूसरा 'देवदास' कहानी के आधार पर स्पष्ट कीजिए।
5. लेखिका ममता कालिया का साहित्यिक परिचय दीजिए।

पुस्तक अंतराल

16
सूरदास की झोंपड़ी
प्रेमचंद

लघूत्तरात्मक प्रश्न– उत्तर सीमा 40 शब्द

1. 'यह फूस की राख न थी, अभिलाषाओं की राख थी।' संदर्भ सहित विवेचना कीजिए।
2. सूरदास क्या सोचकर जगघर से अपनी आर्थिक हानि की बात गुप्त रखना चाहता था?
3. 'तो हम भी सौ लाख बार बनाएँगे'' सूरदास के इस कथन के परिप्रेक्ष्य में सकारात्मक जीवन–मूल्यों का महत्व बताइए।
4. सूरदास को किस बात का दुःख था तथा क्यों?
5. जगधर ने भैरों से कैसे स्वीकार कराया था कि झोंपड़ी में आग उसी लगाई थी?
6. भैरों सूरदास के प्रति द्वेष क्यों रखता था?
7. क्या जगधर ने भैरों को सूरदास का रूपया लौटा देने की सलाह नेक भावना से दी थी? तार्किक उत्तर दीजिए।
8. सुभागी मारपीट सहकर भी भैरों के घर में क्यों रहना चाहती थी?
9. 'चूल्हा ठण्डा किया होता, तो दुश्मनों का कलेजा कैसे ठण्डा होता?' यह कथन किसने, किससे और क्यों कहा?
10. भैरों को प्राप्त सूरदास के पँाच सौ रूपयों को देखकर जगघर की क्या मन स्थिति हुई, इसका वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।
11. 'सूरदास की झोंपड़ी' पाठ की वर्तमान समय में क्या प्रासंगिकता है?
12. सूरदास ने अपनी किन अभिलाषाओं की पूर्ति के लिए रूपये एकत्रित किए थे?
13. आशा को दीर्घजीवी वस्तु क्यों बताया गया है? 'सूरदास की झोपड़ी' पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए।
14. मिठुआ के प्रश्न '' और जो कोई सौ लाख बार लगा दे'' का उत्तर सूरदास ने क्या दिया? सूरदास का यह उत्तर उसकी किस मानसिकता को दर्शाता है?
15. सूरदास की झोंपड़ी'' कहानी द्वारा प्रेमचंद जी ने क्या संदेश समाज को दिया है?

निबन्धात्मक प्रश्न– उत्तर सीमा 80 शब्द

1. 'सूरदास की झोंपड़ी' कहानी से उभरने वाले जीवन–मूल्य आज के समय में कितने उपयोगी है? विचार कीजिए।
2. 'तो हम सौ लाख बार बनाएँगे'–इस कथन के परिप्रेक्ष्य में सूरदास का चरित्रांकन कीजिए।
3. सूरदास की झोंपड़ी' उपन्यास अंश में ईर्ष्या, चोरी, ग्लानि, बदला जैसे नकारात्मक मानवीय पहलुओं पर अकेले सूरदास का व्यक्तित्व भारी पड़ता है। जीवन–मूल्यों की दृष्टि से कथन की पुष्टि कीजिए।
4. 'यह फूस की राख न थी, उसकी अभिलाषाओं की राख थी। किसके बारे में और क्यों कहा गया है? सूरदास के संदर्भ में आशय स्पष्ट कीजिए।
5. भैरों जगधर तथा सूरदास के बारे में सुभागी के क्या विचार थे?
6. 'भिखारियों के लिए धन–संचय, पाप–संचय से कम अपमान की बात नहीं है।'' सूरदास की झोंपड़ी' पाठ से उद्घृत इस कथन की विवेचना वर्तमान भौतिकवादी युग के संदर्भ में कीजिए।
7. अगर सूरदास अपने द्वारा इकट्ठे किए गए रूपयों से अपनी सारी अभिलाषाओं की पूर्ति कर लेता तो समाज के लोगों में भिखारियों के प्रति क्या धारणा बनती? विचार कीजिए।

17–आरोहण

संजीव

लघूत्तरात्मक प्रश्न– उत्तन सीमा 40 शब्द

1. पर्वतारोहण के कौशल में प्रशिक्षित होने पर भी क्यों रूपसिंह और शेखर अप्रशिक्षित भूपसिंह के सामने बौने पड़ गए?
2. ग्यारह वर्ष पश्चात् घर लौटते समय रूपसिंह को अजीब किस्म की लाज, अपनत्व और झिझक ने क्यों घेर लिया?
3. शैला और भूपसिंह ने मिलकर पहाड़ पर नई जिंदगी की कहानी किस प्रकार लिखी? स्पष्ट कीजिए।
4. सैलानी (रूपसिंह एवं शेखर) घोड़े पर चलते हुए उस लड़के के रोजगार के बारें में सोच रहे थे जिससे उनको घोड़े पर सवार कर रखा था और स्वयं पैदल चल रहा था। आप बाल –मजदूरी के बारे में क्या सोचते है? स्पष्ट कीजिए।
5. घाटी में गूँजने वाले गीत को सुनकर रूपसिंह की क्या दशा हुई? रूपसिंह ने उस गीत का क्या अर्थ बताया?
6. 'एकाएक जैसे सफेद हो गया रंगीन स्क्रीन'–पाठ में आए इस कथन से लेखक ने रूपसिंह की किस मनः स्थिति को व्यक्त किया है?
7. 'ऊँचाइयाँ तन्हा भी तो करती हैं 'शेखर के इस कथन को आर्थिक सम्पन्नता के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए।
8. हिमांग पर्वत पर रहते हुए भूपदादा अपने को अकेला क्यों नही मानते थे?
9. भूपदादा ने रूपसिंह के प्रस्ताव को क्यों स्वीकार नहीं किया?
10. आशय स्पष्ट कीजिए–
    '' भाई से मिलकर कैसा लगाा रूप? शेखर ने एकान्त में पूछा ''भाई.......? बस थोडी–सी ही धुंध छँटी है अभी।''

11 'आरोहण' कहानी की मूल संवेदना पर प्रकाश डालिए।

12 'आरोहण' कहानी पर्वतीय अँचलों की पलायन जैसी समस्या को भी रेखांकित करती है। भूपसिंह और रूपसिंह के जीवन के आधार पर इस कथन की विवेचना कीजिए।

13 भूपसिंह का जीवन किन जीवन मूल्यों पर अवस्थित है? 'आरोहण' कहानी के आधार पर उत्तर दीजिए।

14 हिमांग पर्वत के दरकने से सिर पर पहाड़ टूटने की कहावत भूपसिंह के जीवन में किस प्रकार चरितार्थ हुई? स्पष्ट कीजिए।

निबन्धात्मक प्रश्न– उत्तर सीमा 80 शब्द

1. ''मेरी खुद्दारी को बखस दो। अब तो जिंदा रहने तक न ई बलद उतर सकदिन न हम'' 'आरोहण' में भूपसिंह के प्रस्तुत कथन के आधार पर उसका चरित्र–चित्रण कीजिए।
2. कुहासे का होना क्या मायने रखता है इन पहाड़ों में इसे तो कोई पहाड़ी ही समझ सकता है। रिश्ते तक धुँधला जाते हैं.........। 'आरोहण' कहानी में रूप के इस कथन में उसके जीवन की व्यथा–कथा झलक रही है–तर्क सम्मत टिप्पणी कीजिए।
3. पहाड़ों पर स्त्री की जीवन स्थिति कैसे होती है? 'आरोहण कहानी के आधार पर विचार कीजिए।
4. ''पर्वतारोहण पर्वतीय प्रदेशों की दिनचर्या है, वही दिनचर्या आज जीविका का माध्यम बन गई है।'' कथन की विवेचना कीजिए।

18–अपना मालवा : खाऊ–उजाडू सभ्यता में
प्रभाष जोशी

लघूत्तरात्मक प्रश्न– उत्तर सीमा 40 शब्द

1 ''पग–पग नीर वाला मालवा सूखा हो गया''–कैसे?
'अपना मालवा खाऊ उजाडू सभ्यता में' पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए।
2 'हमारी आज की सभ्यता इन नदियों को अपने गंदे पानी के नाले बना रही है।' क्यों और कैसे?
3 हमारे आज के इंजीनियर ऐसा क्यों समझते है कि पहले के जमाने के लोग पानी का प्रबन्धन करना नहीं जानते थे?
4 पर्यावरण को विनाश से बचाने के लिए आप क्या योगदान दे सकते है? स्पष्ट कीजिए।
5 नेमावार के पास बहती नर्मदा के किस रूप का वर्णन लेखक ने किया?
6 मालवा जैसे जल और अन्न से सम्पन्न समृद्ध प्रदेश में सूखा पड़ने के क्या कारण बताए गए है?
7 मालवा में हुई वर्षा के बारे में लेखक के क्या विचार थे?
8 'अपना मालवाः खाऊ उजाडू सभ्यता में' लेखक की पर्यावरण सम्बन्धी चिंता का यथार्थ रूप प्रस्तुत किया गया है। विवेचना कीजिए।
9 औद्योगिक विकास से उपजी वर्तमान सभ्यता के लिए 'खाऊ उजाडू' शब्द का प्रयोग अन्यन्त सार्थक एवं सटीक है। कैसे? उत्तर दीजिए।

निबन्धात्मक प्रश्न– उत्तर सीमा 80 शब्द

1 मालवा में विक्रमादित्य और भोज और मुंज जैसे प्रजापालक शासकों ने पानी के रखरखाव के लिए क्या प्रयत्न किए थे?
2 वर्तमान समय में विश्व के समक्ष पर्यावरण का गहरा संकट उपस्थित है। अगर हम अब भी नहीं सँभले तो भविष्य में किन संकटों का सामना करना पड़ेगा?
3 अमेरिका तथा यूरोप के 'खाऊ–उजाडू सभ्यता–सिद्धान्त के क्या दुष्परिणाम अन्य देशों को भुगतने पड़ रहे है? स्पष्ट कीजिए।
4 'नदी का सदानीरा रहना जीवन के स्रोत का सदा जीवित रहना है।'' इस कथन के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए कि मानव सभ्यता के विकास में नदियों ने किस प्रकार योगदान दिया?
5 लेखक प्रभाष जोशी ने विकास की औद्योगिक सभ्यता को उजाड़ की अपसभ्यता किस आधार पर कहा? 'अपना मालवा खाऊ उजाडू सभ्यता में' पाठ के संदर्भ में विवेचना कीजिए।

19–(क) बसंत आया

(ख) तोड़ो

रघुवीर सहाय

अति लघुत्तरात्मक प्रश्न–

1 कवि को वसंत आगमन की सूचना कैसे मिली?
2 आज मनुष्य प्राकृतिक सौंदर्य की अनुभूति से वंचित क्यों होता जा रहा है?
3 'पत्थर' और 'चट्टान' शब्द किसके प्रतीक हैं?
4 कवि के अनुसार आज लोगों को वसंत के आगमन का पता कैसे चलता है?
5 'तोड़ो' कविता में खेत किसका प्रतीक है?
6 'वसन्त' कविता में कवि ने किस पर व्यंग्य किया हैं?
7 'चरती–परती' शब्द का अर्थ बताइए।
8 कविता 'तोड़ो' के माध्यम से कवि ने क्या संदेश दिया है?
9 'तोड़ो' किस प्रकार की कविता है?
10 'तोड़ो' कविता के माध्यम से कवि किसके लिए प्रेरित करता है?
11 रघुवीर सहाय ने किन पत्रिकाओं का संपादन किया?
12 रघुवीर सहाय को उनके किस काव्य संग्रह पर साहित्य अकादमी पुरस्कार मिला था?
13 रघुवीर सहाय की प्रमुख काव्य–कृतियों का उल्लेख कीजिए।

लघूत्तरात्मक प्रश्न –

1 'प्रकृति मनुष्य सहचरी है' आज के संदर्भ में इस कथन की सार्थकता पर विचार कीजिए।

2 'ये झूठे बंधन टूटें
तो धरती को हम जानें'

यहाँ पर झूठे बंधनों और धरती को जानने से क्या अभिप्राय है?

3 भाव सौंदर्य स्पष्ट कीजिए–
मिट्टी में रस होगा ही जब वह पोसेगी बीज को
हम इसको क्या कर डाले इस अपने मन की खीज को?
गोड़ो, गोड़ो, गोड़ो।

4 'ऊँचे तरूवर से गिरे बड़े–बड़े पियराए पत्ते' पंक्ति के माध्यम से कवि क्या कहना चाह रहे है?
5 वसंत के आगमन पर प्रकृति में क्या परिवर्तन होते हैं?
6 'वसंत आया' कविता में कवि किस बात से चिंतित है?
7 'आधे–आधे गाने' से कवि क्या कहना चाहता है?
8 आज का आम आदमी वसंत आगमन को प्राकृतिक परिवर्तनों से क्यों नही जान पाता है?

निबन्धात्मक प्रश्न

1 'वसंत आया' कविता का केन्द्रीय भाव स्पष्ट कीजिए।
2 'तोड़ो' कविता के द्वारा कवि हमें किसके लिए प्रेरित कर रहा है? विस्तार से लिखिए।
3 आधुनिक जीवन–शैली में जीता मनुष्य प्रकृति से कटता जा रहा है– कथन की विवेचना 'वसंत आया' कविता के संदर्भ में कीजिए।
4 '' सुनते है मिट्टी में रस है जिससे उगती दूब है
अपने मन के मैदानों पर व्यापी कैसी ऊब है
आधे–आधे गाने।''
उपर्युक्त पंक्तियों के काव्य सौंदर्य पर प्रकाश डालिए।
5 रघुवीर सहाय का साहित्यिक परिचय लिखिए।

20–मलिक मुहम्मद जायसी
बारहमासा

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न–

1 बारहमासा कविता पद्मावत के किस खण्ड से उद्धृत है?
2 रानी नागमती किसके वियोग में व्याकुल थी?
3 अगहन मास में नागमती किसके माध्यम से प्रिय को संदेश भेजती है?
4 फाल्गुन महीने में नागमती की सखियाँ क्या कर रही है?
5 विरहिणी नायिका विरह में किसके समान हो गई है?
6 बारहमासा वर्णन में किस भाषा और छंदों का प्रयोग किया गया है?
7 पौष के महीने में सूर्य कहाँ जाकर तप रहा है?
8 नागमती आभूषण क्यों नही धारण कर सकती है?
9 जायसी किस शाखा के सर्वश्रेष्ठ कवि है?
10 'पद्मावत' प्रबन्ध काव्य में किसकी प्रेमकथा वर्णित है?
11 'पद्मावत' काव्य फारसी की किस शैली में रचा गया है?
12 जायसी की प्रमुख काव्य कृतियों के नाम लिखिए।
13 'पद्मावत' के बारहमासा में किसके विरह का वर्णन किया गया है?

लघूत्तरात्मक प्रश्न–

1 फागुन मास में विरहिणी की व्यथा दुगुनी क्यों हो गई है?
2 विरह–व्यथित नागमती स्वयं को राख करके किस मार्ग पर गिरना चाहती है?
3 'चकई निसि बिछुरै दिन मिला।' में किस काव्य–रूढ़ि का प्रयोग जायसी ने किया है?
4 विरह सचान भँवै तन चाँड़ा। जीयत खाइ मुएँ नहिं छाँड़ा।
पंक्ति के संदर्भ में विरहिणी नायिका की व्यथा का वर्णन कीजिए।
5 आशय स्पष्ट कीजिए–
पिय सौं कहेहु संदेसड़ा, ऐ भँवरा ऐ काग।
सो धनि विरहें जरि मुई, तेहिक धुआँ हम लाग।।
6 अगहन दिवस घटा निसि बाढ़ी। दूभर दुख सो जाइ किमि काढ़ी।।
अब धनि दिवस बिरह भा राती। जरै विरह ज्यों दीपक बाती।।
पंक्तियों का काव्य–सौंदर्य स्पष्ट कीजिए

निबन्धात्मक प्रश्न –

1 'बारहमासा' के अन्तर्गत विरहिणी नायिका की विरह–व्यथा का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

2 मलिक मुहम्मद जायसी का साहित्यिक परिचय लिखिए।

21–कवित्त / सवैया
घनानंद

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न–

1 कवि घनानंद रीतिकाल की किस काव्य धारा के कवि है?
2 घनानंद किस सम्प्रदाय में दीक्षित हुए?
3 घनानंद को साक्षात रसमूर्ति क्यों कहा गया?
4 घनानंद ने काव्य रचना में किस भाषा का प्रयोग किया?
5 घनानंद की प्रमुख रचनाओं का नामोल्लेख कीजिए।
6 कवि घनानंद के प्राण किसमें अटके हुए है।
7 प्रिय सुजान ने कवि के हृदयरूपी प्रेम पत्र का क्या किया?
8 कवि और प्रिय सुजान के बीच क्या होड़ ठन गई है?
9 कवि मौन होकर प्रेमिका के कौनसे प्रण पालन को देखना चाहता है?
10 कवि किस कारण दुखी है?

लघूत्तरात्मक प्रश्न –

1 कवि ने 'चाहत चलन ये संदेसो ले' सुजान को क्यों कहा है?
2 प्रथम सवैये के आधार पर बताइए कि प्राण पहले कैसे पल रहे थे और अब क्यों दुखी है?
3 घनानंद मूलतः प्रेम की पीड़ा के कवि है। प्रस्तुत कवित्त और सवैयों के आधार पर स्पष्ट कीजिए।
4 पूरन प्रेम को मंत्र महापन जा मधि सोधि सुधारि है लेख्यौ।
पंक्ति का भावार्थ लिखिए।
5 आशय स्पष्ट कीजिए–
आनाकानी आरसी निहारिबो करौगे कौलौ?
कहा मो चकित दसा त्यों न दीठि डोलि है?

निबन्धात्मक प्रश्न–

1 घनानंद रचित 'सवैया' के मूल भाव को अपने शब्दों में लिखिए।
2 तब तौ छवि पीवत जीवत है, अब सोचत लोचन जात जरे।
हित–तोष के तोष सु प्रान पले बिललात महा दुख दोष भरे ।।
का काव्य–सौंदर्य स्पष्ट कीजिए।
3 घनानंद का साहित्यिक परिचय लिखिए।

22—गाँधी, नेहरू और यास्सेर अराफात

भीष्म साहनी

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न—

1 भीष्म साहनी कब सेवाग्राम गए थे?
2 कांग्रेस का हरिपुरा अधिवेशन कब हुआ था?
3 भीष्म साहनी के भाई सेवाग्राम में क्या कार्य करते थे?
4 लेखक को गाँधी जी हू—ब—हू किसके जैसे लगे?
5 जापानी भिक्षु बार—बार क्या बजाता हुआ आश्रम की प्रदक्षिणा करता था?
6 अफ्रो एशियाई लेखक संघ का सम्मेलन कहाँ हुआ था?
7 यास्सेर अराफात ने भोजन पर किसे आमन्त्रित किया था?
8 लड़का बार—बार बापू को क्यों पुकार रहा था?
9 भीष्म साहनी कश्मीर क्यों गए थे?
10 नेहरू जी ने किस लेखक की मार्मिक कहानी सुनाई?
11 भारत से ट्यूनिस जाने वाले प्रतिनिधि मंडल में कौन—कौन व्यक्ति थे?
12 भीष्म साहनी को किस कृति के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार दिया गया?
13 भीष्म साहनी रचित 'हानूश' किस विधा की रचना है?
14 भीष्म साहनी को उनके साहित्यिक अवदान के लिए हिन्दी अकादमी, दिल्ली ने कौनसा सम्मान प्रदान किया?

लघूत्तरात्मक प्रश्न—

1 लेखक ने गाँधी जी के साथ चलने के अपने प्रथम अनुभव को किस प्रकार व्यक्त किया?
2 रोगी बालक के प्रति गाँधी जी का व्यवहार उनके व्यक्तित्व की किस विशेषता को प्रकट करता है?
3 फिलीस्तीन के प्रति भारत का रवैया कैसा था?
4 पाठ में लेखक ने नेहरू जी के व्यक्तित्व की किन विशेषताओं को उजागर किया?
5 नेहरू जी के द्वारा सुनाई गई कहानी के आधार पर धर्म के विषय में उनके विचारों को स्पष्ट कीजिए।
6 पंडित नेहरू की कश्मीर यात्रा पर कश्मीर वासियों ने उनका स्वागत कैसे किया?

निबन्धात्मक प्रश्न –

1 ''मैं भी धर्म के बारे में कुछ जानता हूँ''– धर्म के सम्बन्ध में नेहरू जी के विचारों से आप कहाँ तक सहमत है? स्पष्ट कीजिए।

2 पाठ के आधार पर गाँधी जी के व्यक्तित्व की विशेषताओं को उजागर कीजिए।?

3 भीष्म साहनी का साहित्यिक परिचय दीजिए।

23–यथास्मै रोचते विश्वम्
राम विलास शर्मा

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न –

1 लेखक ने कवि की तुलना किससे की?
2 कवि को प्रजापति का दर्जा क्यों दिया गया?
3 अफलातून ने कला को किसकी नकल कहा?
4 कवि अपनी रूचि के अनुसार जब विश्व को परिवर्तित करता है तो वह क्या–क्या बताता है?
5 मनुष्य साहित्य में क्या सुनता है?
6 'यथास्मै' रोचते विश्वम्' निबन्ध राम विलास शर्मा के किस निबन्ध संग्रह से लिया गया है?
7 राम विलास शर्मा ने किस प्रकार के निबंधों की रचना की?
8 राम विलास शर्मा को किस रचना के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार प्राप्त हुआ था?
9 राम विलास शर्मा की महत्वपूर्ण कृतियों का उल्लेख कीजिए।

लघूत्तरात्मक प्रश्न –

1 साहित्य को समाज का दर्पण कहा जाता है परन्तु प्रस्तुत पाठ में राम विलास शर्मा ने इस धारणा का विरोध किस प्रकार किया?
2 दुलर्भ गुणों को एक ही पात्र नायक में दिखाकर कवि क्या प्रस्तुत करना चाहता है? 'यथास्मै रोचते विश्वम्' पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए।
3 उत्तम साहित्य किस प्रकार मनुष्यों को आगे बढने के लिए प्रेरणा देता है?
4 लेखक ने साहित्यकार के लिए स्रष्टा और द्रष्टा शब्दों का प्रयोग क्यों और किस संदर्भ में किया?
5 विधाता की सृष्टि से असंतुष्ट कवि किस प्रकार नवसृजन करता है?
6 15वीं–16वीं शताब्दी के साहित्यकारों का उल्लेख लेखक ने किस संदर्भ में किया?
7 'पाँचजन्य' श्रीकृष्ण के शंख का नाम था। इसी पाँचजन्य शब्द का प्रयोग साहित्य के साथ करने से लेखक का क्या तात्पर्य है? स्पष्ट कीजिए।
8 'यथास्मै' रोचते विश्वम्' में कवि को 'गभीर यथार्थवादी' क्यों कहा गया?
9 'साहित्य और समाज' विषय पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए?
10 आशय स्पष्ट कीजिए–

''इसके सामने निरूद्देश्य कला, विकृत काम–वासनाएँ, अंहकार और व्यक्तिवाद, निराशा और पराजय के 'सिद्धान्त' वैसे ही नहीं ठहरते जैसे सूर्य के सामने अन्धकार।

निबन्धात्मक प्रश्न –

1 साहित्य की समाज में क्या भूमिका है? साहित्य किस प्रकार मानव समाज से जुड़ा हुआ है? विवेचना कीजिए।
2 'यथास्मै रोचते विश्वम्' पाठ में राम विलास शर्मा ने कवि के लिए 'पुरोहित' शब्द का प्रयोग किया है। ''कवि पुरोहित'' के रूप में साहित्यकार की भूमिका स्पष्ट कीजिए।
3 डॉ. राम विलास शर्मा का साहित्यिक परिचय लिखिए।

24–कुटज

हजारी प्रसाद द्विवेदी

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न –

1 'शिवालिक' का क्या अर्थ है?
2 द्विवेदी जी ने नाम को रूप से बड़ा क्यों बताया?
3 'कुटज' से क्या तात्पर्य है?
4 सिलवॉंलेवी ने संस्कृत भाषा में फूलों, वृक्षों और खेती बागवानी के शब्दों को किस भाषा परिवार का माना?
5 कुटज ने जीने के संदर्भ में क्या उपदेश दिया है?
6 आचार्य द्विवेदी जी ने किन व्यक्तियों को अबोध और बुद्धिहीन माना?
7 'दुख और सुख तो मन के विकल्प है'– से क्या तात्पर्य है?
8 आचार्य द्विवेदी जी ने पाठ में कुटज को वशी और वैरागी क्यों कहा?
9 अपराजेय जीवन शक्ति का प्रतीक कौन–सा वृक्ष है?
10 ''आत्मनस्त्तु कामाय सर्व प्रियं भवति'' किसका कथन है?
11 लेखक ने 'गाढे का साथी' किसे बताया है?
12 लेखक को कहाँ उपजे पेड़ को 'कुटज' कहने में विशेष आनन्द मिलता है?
13 संस्कृत सर्वग्रासी भाषा है। कैसे?
14 आचार्य द्विवेदी जी ने ज्योतिषाचार्य की उपाधि कहाँ से और कब प्राप्त की?
15 आचार्य द्विवेदी को किस पुस्तक पर साहित्य अकादमी पुरस्कार दिया गया?
16 भारत सरकार ने हजारी प्रसाद द्विवेदी को किस अलंकरण से विभूषित किया?
17 आचार्य द्विवेदी रचित निबन्ध संकलनों के नाम लिखिए।
18 आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी के किन्ही दो उपन्यासों के नाम लिखिए।?

लघूत्तरात्मक प्रश्न –

1 कुटज को 'गाढे का साथी क्यों कहा गया है?
2 कुटज किस प्रकार अपनी अपराजेय जीवनी–शक्ति की घोषणा करता है?
3 'कुटज क्या केवल जी रहा है? इस प्रश्न के माध्यम से द्विवेदी जी मानव–मन की किन कमजोरियों की ओर ध्यान आकर्षित करते है?
4 आशय स्पष्ट कीजिए–
''बलिहारी है इस मादक शोभा की। चारों ओर कुपित यमराज के दारूण निःश्वास के समान धधकती लू में यह हरा भी है और भरा भी है, दुर्जन के चित्त से भी अधिक

कठोर पाषाण की कारा में रूद्ध अज्ञात जल स्त्रोत से बरबस रस खींच कर सरस बना हुआ है।

5 कुटज के वृक्ष की तीन विशेषताएँ अपने शब्दों में लिखिए।

6 'हृदयेनापराजितः' के माध्यम से हजारी प्रसाद द्विवेदी जी क्या स्पष्ट करना चाहते है?

7 'मन पर सवारी करने और मन को अपने पर सवार होने देने में मानव जीवन के किन गुण–दोषों को व्यक्त किया जा सकता है?

8 लेखक ने कुटज को अपराजेय जीवनी शक्ति से युक्त क्यों माना?

निबन्धात्मक प्रश्न–

1 आचार्य द्विवेदी ने 'कुटज' में मानव मन के लिए क्या संदेशा पाया है? विचार कर उत्तर दीजिए।

2 कुटज जीवन जीने की कला किस प्रकार जानता है? पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

3 'कुटज' पाठ के आधार पर सिद्ध कीजिए कि 'सुख और दुःख तो मन के विकल्प है''।

4 'कुटज' की उन विशेषताओं को प्रकट कीजिए जिनसे मनुष्य प्रेरणा प्राप्त कर सकता है?

5 हजारी प्रसाद द्विवेदी का साहित्यिक परिचय लिखिए।

अन्तराल
25–बिस्कोहर की माटी
विश्वनाथ त्रिपाठी

लघूत्तरात्मक प्रश्न– उत्तर सीमा 40 शब्द

1 कोइयाँ की विशेषताएँ बताइए।
2 माँ का दूध छूटने को विश्वनाथ ने अत्याचार क्यों माना?
3 गरमी और लू से किस प्रकार बचा जा सकता है? पाठ के आधार पर बताइए।
4 विश्वनाथ ने बिस्कोहर में हुई बरसात का सजीव चित्रण किया है उसे अपने शब्दों में लिखिए।
5 विभिन्न प्रकार के फूल किस प्रकार दवा का कार्य करते है?
6 'कमल से कहीं ज्यादा बहार कोइयाँ की थी'– लेखक के कथन का आशय स्पष्ट कीजिए।
7 आशय स्पष्ट कीजिए–
'जड़ चेतन में रूपान्तरित होकर क्या–क्या अन्तर बाह्य गढता है, लीलाचारी होता है''।
8 'बिस्कोहर की माटी' का मूल प्रतिपाद्य क्या है?
9 किन कारणों से बिस्कोहर की माटी लेखक के मन में बस गई थी? संक्षेप में लिखिए।
10 लेखक ने माँ और बत्तख में क्या समानता बताई?
11 'सरसों के फूल का पीला सागर' के माध्यम से लेखक ने किसकी सुन्दरता का वर्णन किया है?
12 'बिस्कोहर की माटी' पाठ में लेखक ने किन–किन विषैले जीवों का उल्लेख किया है?
13 हरसिंगार की चर्चा लेखक ने किस रूप में की?

निबन्धात्मक प्रश्न–

1 'बच्चे के माँ का दूध पीना सिर्फ दूध पीना नही माँ से बच्चे के सारे सम्बन्धो का जीवन–चरित्र हो जाता है।''जीवन–मूल्यों की दृष्टि से प्रस्तुत कथन की समीक्षा कीजिए।
2 वह कौनसी स्मृति है जिसके साथ लेखक ने मृत्यु का बोध जोड़ दिया? स्पष्ट करें।
3 'बिस्कोहर की माटी' पाठ के आधार पर गाँव की विशेषताओं का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

4 'संगीत, गंध, बच्चे– बिसनाथ के लिए बड़े सेतु है, काल, इतिहास को पार करने के।' कथन के आधार पर बताइए कि बिसनाथ इन सब से किस प्रकार जुड़े हुए है।

5 दिलशाद गार्डन के डियर पार्क में बत्तखों से सम्बन्धित दृश्य को देखकर लेखक ने अपने किस मत की पुष्टि की?

26—अपठित गद्यांश

(1)

परिश्रम कल्पवृक्ष है। जीवन की कोई भी अभिलाषा परिश्रम रूपी कल्पवृक्ष से पूर्ण हो सकती है। परिश्रम जीवन का आधार है, उज्ज्वल भविष्य का जनक और सफलता की कुंजी है। सृष्टि के आदि से अद्यतन काल तक विकसित सभ्यता और सर्वत्र उप्रति परिश्रम का परिणाम है। आज से लगभग पचास साल पहले कौन कल्पना कर सकता था कि मनुष्य एक दिन चाँद पर कदम रखेगा या अंतरिक्ष में विचरण करेगा पर निरंतर श्रम की बदौलत मनुष्य ने उन कल्पनाओं एवं संभावनाओं को साकार कर दिखाया है। मात्र हाथ पर हाथ धरकर बैठे रहने से कदापि संभव नहीं होता।

किसी देश, राष्ट्र अथवा जाति को उस देश के भौतिक संसाधन तब तक समृद्ध नहीं बना सकते जब तक कि वहाँ के निवासी उन संसाधनों का दोहन करने के लिए अथक परिश्रम नहीं करते। किसी भूभाग की मिट्टी कितनी भी उपजाऊ क्यों न हो, जब तक विधिवत परिश्रमपूर्वक उसमें जुताई, बुआई, सिंचाई, निराई—गुड़ाई नहीं होगी, अच्छी फसल प्राप्त नहीं हो सकती। किसी किसान को कृषि संबंधी अत्याधुनिक कितनी ही सुविधाएँ उपलब्ध करा दीजिए, यदि उसके उपयोग में लाने के लिए समुचित श्रम नहीं होगा, उत्पादन क्षमता में वृद्धि संभव नहीं है। परिश्रम से रेगिस्तान भी अन्न उगलने लगते हैं हमारे देश की स्वतंत्रता के पश्चात हमारी प्रगति की द्रुतगति भी हमारे श्रम का ही फल है। भाखड़ा नांगल का विशाल बाँध हो या श्रीहरिकोटा के रॉकेट प्रक्षेपण केंद्र, हरित क्रांति की सफलता हो या कोविड 19 की रोकथाम के लिए टीका तैयार करना, प्रत्येक सफलता हमारे श्रम का परिणाम है तथा प्रमाण भी है।

जीवन में सुख की अभिलाषा सभी को रहती है। बिना श्रम किए भौतिक साधनों को जुटाकर जो सुख प्राप्त करने के फेर में है, वह अंधकार में है। उसे वास्तविक और स्थायी शांति नहीं मिलती। गांधीजी तो कहते थे कि जो बिना श्रम किए भोजन ग्रहण करता है, वह चोरी का अन्न खाता है। ऐसी सफलता मन को शांति देने के बजाए उसे व्यथित करेगी। परिश्रम से दूर रहकर और सुखमय जीवन व्यतीत करने वाले विद्यार्थी को ज्ञान कैसे प्राप्त होगा? हवाई किले तो सहज ही बन जाते हैं, लेकिन वे हवा के हल्के झोंके से ढह जाते हैं। मन में मधुर कल्पनाओं के संजोने मात्र से किसी कार्य की सिद्धि नहीं होती। कार्य सिद्धि के लिए उद्यम और सतत् उद्यम आवश्यक है। तुलसीदास ने सत्य ही कहा है—सकल पदारथ है जग माहीं करमहीन न पावत नाहीं।। अर्थात इस दुनिया में सारी चीजें हासिल की जा सकती हैं लेकिन वे कर्महीन व्यक्ति को कभी नहीं मिलती हैं।

अगर आप भविष्य में सफलता की फसल काटना चाहते हैं, तो आपको उसके लिए बीज आज ही बोने होंगे आज बीज नहीं बोयेंगे, तो भविष्य में फसल काटने की उम्मीद कैसे कर सकते हैं? पूरा संसार कर्म और फल के सिद्धांत पर चलता है इसलिए कर्म की तरफ आगे बढ़ना होगा। यदि सही मायनों में सफल होना चाहते हैं तो कर्म में जुट जाएँ और तब तक जुटे रहें जब तक कि सफल न हो जाएँ। अपना एक–एक मिनट अपने लक्ष्य को समर्पित कर दें। काम में जुटने से आपको हर वस्तु मिलेगी जो आप पाना चाहते हैं–सफलता, सम्मान, धन, सुख या जो भी आप चाहते हो।

प्रश्न 1. गद्यांश में परिश्रम को कल्पवृक्ष के समान बताया गया है क्योंकि इससे–

(क) भौतिक संसाधन जुटाए जाते हैं।

(ख) परिश्रमी व्यक्ति वृक्ष के समान परोपकारी होता है।

(ग) इच्छा दमन करने का बल प्राप्त होता है।

(घ) व्यक्ति की इच्छाओं की पूर्ण पूर्ति संभव है।

प्रश्न– 2. गद्यांश में अच्छी फसल प्राप्त करने के लिए कहे गए कथन से स्पष्ट होता है कि–

(क) भौतिक संसाधनों का दोहन करना आवश्यक है।

(ख) संसाधनों की तुलना में परिश्रम की भूमिका अधिक है।

(ग) ज्ञान प्राप्त करने के लिए परिश्रम आवश्यक है

(घ) कष्ट करने से ही कृष्ण मिलते हैं

प्रश्न– 3. भारत के परिश्रम के प्रमाण क्या–क्या बताए गए हैं ?

(क) बाँध, कोविड 19 की रोकथाम का टीका, प्रक्षेपण केंद्र

(ख) कोविड 19 की रोकथाम का टीका, प्रक्षेपण केंद्र, रेगिस्तान

(ग) कोविड 19 की रोकथाम का टीका, प्रक्षेपण केंद्र, हवाई पट्टियों का निर्माण

(घ) वृक्षारोपण, कोविड 19 की रोकथाम का टीका, प्रक्षेपण केंद्र

प्रश्न– 4. कैसे व्यक्ति को अंधकार में बताया गया है ?

(क) श्रमहीन व्यक्ति (ख) विश्रामहीन व्यक्ति (ग) नेत्रहीन व्यक्ति (घ) प्रकाशहीन व्यक्ति

प्रश्न– 5. हवाई किले तो सहज ही बन जाते हैं, लेकिन ये हवा के हल्के झोंके से ढह जाते हैं।''
इस कथन के द्वारा लेखक कहना चाहता है कि–

(क) तेज चक्रवर्ती हवाओं से आवासीय परिसर नष्ट हो जाते हैं

(ख) हवा का रुख अपने पक्ष में परिश्रम से किया जा सकता है

(ग) हवाई कल्पनाओं को सदैव संजोकर रखना असंभव है

(घ) परिश्रमहीनता से वैयक्तिक उपलब्धि नितांत असंभव है

प्रश्न– 6. गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक है–

(क) परिश्रम और स्वतंत्रता (ख) परिश्रम सफल जीवन का आधार

(ग) परिश्रम और कल्पना (घ) परिश्रम कल्पना की उड़ान

(2)

आत्मा एक है पर उसके रूप अनेक हैं। दूसरों को कष्ट देना अपनी आत्मा को ही कष्ट देना है, अन्य को धोखा देना अपनी आत्मा को छलना है, पराये को दुख पहुँचाना स्वयं की आत्मा को दुखी बनाना है यदि हम दूसरों को आनंद पहुँचाते हैं तो स्वयं हमारी आत्मा भी आनंदित हुआ करती है आत्मा की उपमा समुद्र के जल से की गई है जिस प्रकार अनेक बर्तनों में भरे जाने पर भी जल जल ही रहता है, केवल उसका आकार बदला हुआ होता है, उसी प्रकार सभी जीवधारियों की आत्मा अनेक शरीरों में रहकर भी एक है सभी जीवो को सभी जीवधारियों में अपनी आत्मा का सच्चा स्वरूप समझकर समान व्यवहार करना चाहिए यही शिक्षा महावीर स्वामी की है जिन्होंने चींटी से लेकर हाथी तक में अपनी ही आत्मा का स्वरूप देखने में सफलता प्राप्त की थी

महावीर स्वामी भगवान के अनेक अवतारों में से एक है, जिन्होंने मानव जाति को दिखाने के लिए मानव रूप धारण किया था क्योंकि उनके कार्यकाल में जनता को भ्रम में डालने वाले अनेक मत मतान्तर फैले हुए थे। क्या सच्चा और क्या झूठा है, यह समझना सर्वसाधारण के लिए कठिन था। ऐसी अवस्था में किसी अवतारी पुरुष का जन्म अत्यंत आवश्यक था जो अपने शुद्ध कर्मों, आदर्श व्यवहारों, ज्ञान एवं आत्मबल के द्वारा लोगों को सही मार्ग दिखा सके। अतः भगवान महावीर ने मनुष्य जन्म लिया मैं तो ऐसा ही मानता हूँ और मेरी जैन बंधु तीर्थंकर के रूप में पूजते हैं तो मुझे यह भी भाता है।

प्रश्न–1. महावीर स्वामी ने किस धर्म का प्रतिपादन किया ?

(अ) जैन धर्म (ब) बौद्ध धर्म (स) ईसाई धर्म (द) हिंदू धर्म

प्रश्न–2. आत्मा की उपमा किसे दी गई है ?

(अ) तालाब के जल से (ब) नदी के जल से (स) समुद्र के जल से (द) कुंड के जल से

प्रश्न–3. निम्न में से कौन सा जल का पर्यायवाची नहीं है–

(अ) अंबु (ब) वारी (स) जलद (द) तोय

प्रश्न–4. महावीर स्वामी ने सभी जीव धारियों के साथ समान व्यवहार करने के पीछे क्या तर्क दिया?

(अ) सभी का जन्म मां की कोख से हुआ है

(ब) सभी की मृत्यु होती है

(स) सभी के खून का रंग लाल है

(द) सभी में एक ही आत्मा का वास है

प्रश्न–5. महावीर स्वामी के जन्म के समय –

(अ) लोगों को सच्चे झूठे का ज्ञान नहीं था

(ब) जनता भ्रम में थी

(स) अनेक मत मतान्तर प्रचलित है

(द) उपरोक्त सभी

प्रश्न–6. महावीर स्वामी ने किस रूप में जन्म लिया?

(अ) देवता के रूप में (ब) मनुष्य के रूप में (स) तीर्थंकर के रूप में (द) भगवान के रूप में

शिक्षा को महत्वाकांक्षा से मुक्त ही होना चाहिए। महत्वाकांक्षा ही तो राजनीति है । महत्वाकांक्षा के कारण ही तो राजनीति सब के ऊपर सिंहासन पर विराजमान हो गई । सम्मान वहाँ दें, जहाँ पद है, जहाँ शक्ति है। शक्ति वहाँ है, जहाँ राज्य है। इस दौड़ से जीवन

में हिंसा पैदा होती है महत्वाकांक्षी चित्त हिंसक चित्त है। अहिंसा के पाठ पढ़ाए जाते हैं । साथ ही महत्वाकांक्षा भी सिखाई जाती है। इससे ज्यादा मूढ़ता और क्या हो सकती है? अहिंसा प्रेम है, महत्वाकांक्षा प्रतिस्पर्धा है। प्रेम सदा पीछे रहना चाहता है,प्रतिस्पर्धा आगे होना चाहती है ।

क्राइस्ट ने कहा है,'' धन्य है वे , जो पीछे रहने में समर्थ है। मैं जिसे प्रेम करूँगा उसे आगे देखने चाहूँगा और यदि मैं सभी को प्रेम करूँगा तो स्वयं को सबसे पीछे खड़ा कर आनंदित हो उठाऊँगा । लेकिन प्रतिस्पर्धा प्रेम से बिल्कुल उल्टी है। वह तो ईर्ष्या है। वह तो घृणा है। वह तो हिंसा है। वह तो सब भाँति सबसे आगे होना चाहती है । इस आगे होने की होड़ की शुरुआत शिक्षालयों में ही होती है और फिर कब्रिस्तान तक चलती है। व्यक्तियों में यही दौड़ है । राष्ट्रों में भी यही दौड़ है । युद्ध इस दौड़ के ही तो अंतिम फल है । यह दौड़ क्यों है ? इस दौड़ के मूल में क्या है ? मूल में है– अहंकार, अहंकार सिखाया जाता है, अहंकार का पोषण किया जाता है । छोटे–छोटे बच्चों में अहंकार को जगाया और जलाया जाता है । उनके निर्दोष और सरल चित्त अहंकार से विषाक्त किए जाते हैं । उन्हें भी प्रथम होने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है । स्वर्ण पदक, सम्मान और पुरस्कार बाँटे जाते हैं । फिर यही अहंकार जीवन भर प्रेत की भाँति उनका पीछा करता है और मरते दम तक चैन नहीं लेने देता ।

प्रश्न–1.युद्ध किस दौड़ का अंतिम फल है ?

(अ) प्रेम करने की (ब) प्रतिस्पर्धा की (स) आगे होने की (द) इच्छा करने की

प्रश्न–2. प्रतिस्पर्धा की शुरुआत कहां से होती है?

(अ) घर परिवार से (ब) विद्यालय से (स) कब्रिस्तान से (द) युद्ध के मैदान से

प्रश्न–3. निर्दोष शब्द में उपसर्ग है–

(अ) नी (ब) निर (स) ई   (द) नि

प्रश्न–4. स्वर्ण पदक और सम्मान की दौड़ क्या पैदा करती है ?

(अ) भाईचारा (ब) प्रेम (स) आनंद (द) ईर्ष्या

प्रश्न–5. प्रेम की क्या विशेषता है ?

(अ) सदैव सबसे आगे रहना चाहता है।

(ब) दूसरों को पीछे करने में विश्वास रखता है ।

(स) खुद को सबसे पीछे रख कर दुखी होता है।

(द) खुद को सबसे पीछे रख कर आंनदित होता है ।

प्रश्न–6. अंधकार शब्द का विलोम बताइए

(अ) अंतरिक्ष (ब) आलोक (स) अंबर (द) अनंत

(4)

विज्ञान प्रकृति को जानने का महत्वपूर्ण साधन है। भौतिकता आज आधुनिक वैज्ञानिक और तकनीकी प्रगति का स्तर निर्धारित करती है। विज्ञान केवल सत्य, अर्थ और प्रकृति के बारे में उपयोग ही नहीं बल्कि प्रकृति की खोज का एक क्रम है। विज्ञान प्रकृति को जानने का एक महत्वपूर्ण साधन है। यह प्रकृति को जानने के विषय में हमें महत्वपूर्ण और विश्वसनीय ज्ञान देता है। व्यक्ति जिस बात पर विश्वास करता है वही उसका ज्ञान बन जाता है। कुछ लोगों के पास अनुचित ज्ञान होता है और वह उसी ज्ञान को सत्य मानकर उसके अनुसार काम करते हैं। वैज्ञानिकता और आलोचनात्मक विचार उस समय जरूरी होते हैं जब वह विश्वसनीय ज्ञान पर आधारित हों। वैज्ञानिक और आलोचक अक्सर तर्कसंगत विचारों का प्रयोग करते हैं।

तर्क हमें उचित सोचने पर प्रेरित करते हैं। कुछ लोग तर्क संगत विचारधारा नहीं रखते क्योंकि उन्होंने कभी तर्क करना जीवन में सीखा ही नहीं होता।

प्रकृति वैज्ञानिक और कवि दोनों की ही उपास्या है। दोनों ही उससे निकटतम संबंध स्थापित करने की चेष्टा करते है, किंतु दोनों के दृष्टिकोण में अंतर है। वैज्ञानिक प्रकृति के बाल्य रूप का अवलोकन करता है और सत्य की खोज करता है, परंतु कवि बाड्य रूप पर मुग्ध होकर उससे भावों का तादात्म्य स्थापित करता है। वैज्ञानिक प्रकृति की जिस वस्तु का

अवलोकन करता है, उसका सूक्ष्म निरीक्षण भी करता है। चंद्र को देखकर उसके मस्तिष्क में अनेक विचार उठते हैं उसका तापक्रम क्या है, कितने वर्षों में वह पूर्णतः शीतल हो जाएगा,ज्वार–भाटे पर उसका क्या प्रभाव होता है, किस प्रकार और किस गति से वह सौर मंडल में परिक्रमा करता है और किन तत्वों से उसका निर्माण हुआ है? वह अपने सूक्ष्म निरीक्षण और अनवरत चिंतन से उसको एक लोक ठहराता है और उस लोक में स्थित ज्वालामुखी पर्वतों तथा जीवनधारियों की खोज करता है। इसी प्रकार वह एक प्रफुल्लित पुष्प को देखकर उसके प्रत्येक अंग का विश्लेषण करने को तैयार हो जाता है। उसका प्रकृ ति–विषयक अध्ययन वस्तुगत होता है। उसकी दृष्टि में विश्लेषण और वर्ग विभाजन की प्रधानता रहती है। वह सत्य और वास्तविकता का पुजारी होता है। कवि की कविता भी प्रत्यक्षावलोकन से प्रस्फुटित होती है वह प्रकृति के साथ अपने भावों का संबंध स्थापित करता है। वह उसमें मानव चेतना का अनुभव करके उसके साथ अपनी आंतरिक भावनाओं का समन्वय करता है। वह तथ्य और भावना के संबंध पर बल देता है। उसका वस्तुवर्णन हृदय की प्रेरणा का परिणाम होता है, वैज्ञानिक की भाँति मस्तिष्क की यांत्रिक प्रक्रिया नहीं।

कवियों द्वारा प्रकृति–चित्रण का एक प्रकार ऐसा भी है जिसमें प्रकृति का मानवीकरण कर लिया जाता है अर्थात प्रकृति के तत्त्वों को मानव ही मान लिया जाता है। प्रकृति में मानवीय क्रियाओं का आरोपण किया जाता है। हिंदी में इस प्रकार का प्रकृति–चित्रण छायावादी

कवियों में पाया जाता है। इस प्रकार के प्रकृति–चित्रण में प्रकृति सर्वथा गौण हो जाती है। इसमें प्राकृतिक वस्तुओं के नाम तो रहते हैं परंतु झंकृत चित्रण मानवीय भावनाओं का ही होता है। कवि लहलहाते पौधे का चित्रण न कर खुशी से झूमते हुए बच्चे का चित्रण करने लगता है ।

प्रश्न–1. विज्ञान प्रकृति को जानने का एक महत्वपूर्ण साधन है क्योंकि यह–

(क) समग्र ज्ञान के साथ तादात्म्प स्थापित करता है।

(ख) प्रकृति आधुनिक विज्ञान की उपास्या है।

(ग) महत्वपूर्ण और विश्वसनीय ज्ञान प्रदान करता है।

(घ) आधुनिक वैज्ञानिक का स्तर निर्धारित करता है।

(ङ) महत्वपूर्ण और विश्वसनीय ज्ञान प्रदान करता है।

प्रश्न–2. सूक्ष्म निरीक्षण और अनवरत चिंतन से तात्पर्य है–

(क) सौर मंडल को एक लोक और परलोक ठहराना

(ख) छोटी–छोटी सी बातों पर चिंता करना

(ग) बारीकी से सोचना व निरंतर देखना

(घ) बारीकी से देखना और निरंतर सोचना

(ङ) बारीकी से देखना और निरंतर सोचना

प्रश्न–3. कौन वास्तविकता का पुजारी होता है ?

(क) यथार्थवादी (ख) काव्यवादी (ग) प्रकृतिवादी (घ) विज्ञानवादी

प्रश्न–4. कवि की कविता किससे प्रस्फुटित होती है ?

(क) विचारों के मंथन से (ख) प्रकृति के साक्षात दर्शन से

(ग) भावनाओं की उहापोह से (घ) प्रेम की तीव्र इच्छा से

प्रश्न–5. कवि के संबंध में इनमें से सही तथ्य है–

(क) ज्वालामुखी के रहस्य जानता है

(ख) जीवधारियों की खोज करता है

(ग) सत्य का उपासक नहीं होता

(घ) प्रफुल्लित पुष्प का अध्ययनकर्ता

प्रश्न–6. उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक है–

(क) कवि की सोच और वैज्ञानिकता

(ख) प्रकृति के उपासक–कवि और वैज्ञानिक

(ग) वैज्ञानिक उन्नति और काव्य जगत

(घ) वैज्ञानिक दृष्टिकोण–अतुलनी

27–अपठित पद्यांश

(1)

उठे राष्ट्र तेरे कंधों पर,

बढ़े प्रगति के प्रांगण में,

पृथ्वी को और दिया उठाकर, तूने नभ के आंगन में

तेरे प्राणों के ज्वारों पर,

लहराते है देश सभी,

चाहे जिसे इधर कर दे तू,

चाहे जिसे उधर क्षण में ।

विजय वैजयंती फहरी जो

जग के कोने कोने में,

उसमें तेरा नाम लिखा है,

जीने में बलि होने में ।

गहरे रन घनघोर बढ़ी

सेनाएँ तेरा बल पाकर,

स्वर्ण–मुकुट आ गए चरण–तल

तेरे शस्त्र संजोने में ।

तेरे बाहुदंड में वह बल ,

जो केहरि–कटि तोड़ सके

तेरे दृढ़ कंधों में वह बल,

जो गिरि से ले होड़ सके ।

प्रश्न–1. 'उठे राष्ट्र तेरे कंधों पर'– इसमें 'तेरे' किसके लिए कहा गया है ?

(क) देश के बच्चों के लिए (ख) देश के युवाओं के लिए

(ग) देश के बुजुर्गों के लिए (घ) इसमें से कोई नहीं

प्रश्न–2. पद्यांश में आये शब्द 'केहरि' का पर्याय है –

(क) मृगेन्द्र (ख) बंदर (ग) हाथी (घ) गीदड़

प्रश्न–3. पद 'विजय – वैजयंती' में कौनसा अलंकार है ?

(क) अनुप्रास (ख) उपमा (ग) श्लेष (घ) रूपक

प्रश्न–4. प्रस्तुत काव्यांश में कवि की युवाओं से क्या अपेक्षाएं है ?

(क) देश प्रगति एवं रक्षा भार ले (ख) कमजोर लोगों एवं दलितों का उद्धार करें

(ग) दुश्मनों का डटकर मुकाबला करे (घ)उपरोक्त सभी

प्रश्न–5. केहरि कटि तोड़ने से कवि का आशय है ?

(क) असंभव को संभव कर देना (ख) कमजोर का भला करना

(ग) गरीबों की मदद करना (घ) इनमें से कोई नहीं

प्रश्न–6. गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक है ?

(2)

मैं नहीं चाहता चिर सुख,

मैं नहीं चाहता चिर दुख,

सुख–दुःख की आंख मिचौनी में,

खोलें जीवन अपना मुख

सुख–दुख के मधुर मिलन से,

यह जीवन हो परिपूरण,

फिर घन में ओझल हो शशि
फिर शशि में ओझल हो घन
जग पीड़ित है अति सुख से,
जग पीड़ित है अति दुःख से,
मानव जग में बँट जावे,
दुःख सुख से हो सुख–दुःख से
अविरल दुःख उत्पीड़न
अविरल सुख भी उत्पीड़न
दुःख सुख की दिवा– निशा में
सोता जगता जगजीवन
यह सांझ उषा का आंगन
आलिंगन विरह मिलन का
चिर हास अश्रुमय आनन
रे इस मानव का जीवन

प्रश्न–1. जग पीड़ित है–

(क) अति सुख से (ख) अति दुःख से (ग) दोनों से (घ) किसी से भी नहीं

प्रश्न–2. सुख–दुःख में कौनसा समास है –

(क) द्विगु (ख) द्वंद्व (ग) तत्पुरुष (घ) कर्मधारय

प्रश्न–3. जग–जीवन में कौनसा अलंकार है ?

(क) अनुप्रास (ख) उपमा (ग) श्लेष (घ) रूपक

प्रश्न–4. इस कविता में कौनसा काव्य गुण है ?

(क) ओज (ख) प्रसाद (ग) माधुर्य (घ) समता

प्रश्न–5. कविता का उपयुक्त शीर्षक बताइए –

प्रश्न–6. निम्न में कौनसा शब्द घन का पर्यायवाची नहीं है?

(क) मेघ (ख) बादल (ग) वारिद (घ) जलधि

(3)

मैंने हँसना सीखा है
मैं नहीं जानती रोना।
बरसा करता पल–पल पर
मेरे जीवन में सोना।
मैं अब तक जान न पाई
कैसी होती है पीड़ा?
हंस–हंस जीवन में कैसे
करती है चिंता क्रीड़ा?
जग है असार सुनती हूँ
मुझको सुख – सार दिखाता।
मेरी आँखों के आगे
सुख का सागर लहराता।
कहते हैं होती जाती
खाली जीवन की प्याली।
पर मैं उसमें पाती हूँ
प्रतिपल मदिरा मतवाली।
उत्साह,उमंग निरंतर

रहते मेरे जीवन में।

उल्लास विजय का सता

मेरे मतवाले मन में।

आशा आलोकित करती

मेरे जीवन के प्रतिक्षण।

हैं स्वर्ण–सूत्र से वलयित

मेरी असफलता के घन।

सुख भरे सुनहले बादल

रहते हैं मुझको बादल घेरे।

विश्वास, प्रेम, साहस हैं

जीवन के साथी मेरे।।

प्रश्न–1. बरसा करता पल–पल पर मेरे जीवन में सोना''द्य कवयित्री का सोना से अभिप्राय है–

(क) स्वर्ण (ख) कंचन (ग) आनन्द (घ) आराम

प्रश्न–2. असफलता के बादलों को कवयित्री ने किससे घेरकर रखा है ?

(क) असफलता के बादलों को सोने की छड़ी से घेरकर रखा है।

(ख) कवयित्री सफलता में भी असफलता की आशा से भरी रहती है।

(ग) कवयित्री ने असफलता के बादलों को सोने के सूत्र से घेरकर रखा है।

(घ) बादल के बरसने पर निकलने वाली बूंदों से क्योंकि इनसे नव सृजन होता है।

प्रश्न–3. कवयित्री द्वारा विश्वास, प्रेम और साहस को अपना जीवन साथी बनाकर रखना यह निष्कर्ष निकालता है कि–

(क) अनुकूल परिस्थितियां सदैव वश में नहीं रह सकती।

(ख) विपरीत परिस्थितियों में भी आशा का दामन नहीं छोड़ना चाहिए।

(ग) जीवन में हितकारी साथी सदैव साथ होने चाहिए।

(घ) प्रेम, विश्वास व साहस की डोर सदैव लंबी होती है।

प्रश्न–4. आधुनिक जीवन में भी मनुष्य के सामने अनेक समस्याएं आती हैं।इस कविता के माध्यम से समस्याओं का समाधान कैसे किया जा सकता है? कविता में निहित संदेश द्वारा स्पष्ट कीजिए।

(क) मनुष्य हताश होकर सहायतार्थ समस्याओं का हल करने का प्रयास अथक भाव से करे।

(ख) मनुष्य हताश न हो और समस्याओं का हल करने का प्रयास अथक भाव से करे।

(ग) निरंतर प्रयासरत रहकर परस्परावलंब से जीवन पथ पर गतिमान रहे।

(घ) सुख और दुख जीवन में आते जाते रहते हैं।

प्रश्न–5. उत्साह,उमंग निरंतर रहते मेरे जीवन में। पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार है–

(क) रूपक (ख) अनुप्रास (ग) श्लेष (घ) उपमा

प्रश्न–6. कविता के लिए उपयुक्त शीर्षक है–

(क) सुख और दुख (ख) मेरा जीवन (ग) मेरा सुख (घ) परपीड़ा

(4)

बहन लगता है

साहब हमें छोड़कर जा रहे हैं

इसीलिए तो सारा काम जल्दी जल्दी निपटा रहे हैं।

मैं बार–बार सामने जाती हूँ

रोती हूँ.गिड़गिड़ाती हूँ

करती हूँ विनती हर बार

साहब जी! इधर भी देख लो एक बार।

पर साहब है कि

कभी मुझे नीचे पटक देते हैं। कभी पीछे सरका देते हैं

और कभी–कभी तो

फाइलों के देर तले

दबा देते हैं

अधिकारी बार–बार अंदर झांक जाता है

डरते–डरते पूछ जाता है

साहब कहाँ गए हैं?

हस्ताक्षर हो गए.?

दूसरी फाइल ने उसे

प्यार से समझाया

जीवन का नया फलसफा सिखाया

बहन ! हम यूँ ही रोते हैं

बेकार गिड़गिड़ाते हैं, लोग आते हैं, जाते हैं

हस्ताक्षर कहाँ रुकते हैं

हो ही जाते हैं।

पर कुछ बातें ऐसी होती हैं जो दिखाई नहीं देती

और कुछ आवाजें सुनाई नहीं देती

जैसे फूल खिलते हैं

और अपनी महक छोड़ जाते हैं। वैसे ही कुछ लोग कागज पर नहीं

दिलों पर हस्ताक्षर छोड़ जाते हैं।

प्रश्न–2. साहब जल्दी–जल्दी काम क्यों निपटा रहे हैं ।क्योंकि–

(क) कदाचित उनका स्थानांतरण हो गया है।

(ख) आज का काम कल पर नहीं छोड़ना चाहते हैं।

(ग) कार्यालय की प्रगति की चिंता करते हैं

(घ) बड़े साहब कल निरीक्षण करने वाले हैं

प्रश्न–2. फाइल क्यों रोती और गिड़गिड़ाती है ?

(क) साहब की स्वार्थपरता के कारण

(ख) अपना कार्य पूर्ण न होने की पीड़ा के कारण

(ग) अकेलेपन की असहनीय पीड़ा के कारण

(घ) फाइल का स्वभाव रोना और गिड़गिड़ाना ही है

प्रश्न–3. दूसरी फाइल ने पहली फाइल को क्या समझाया ?

(क) कार्य कैसा भी हो समयानुसार हो ही जाता है

(ख) यदि कार्य उचित हो तभी उसकी पूर्णता संभव है

(ग) कार्यकर्ता का फल है इसलिए पश्चाताप व्यर्थ है

(घ) सकारात्मक रहकर ही कार्य को पूर्णता तक पहुँचाना संभव है

प्रश्न–4. कविता का संदेश क्या है ?

(क) लोग जल्दी कार्य करने वाले अधिकारी से प्रभावित होते हैं

(ख) परोपकारी कार्यों से लोग प्रभावित होते हैं

(ग) कार्यालयों में फाइलों के रूप में कार्य लंबित रहता है

(घ) कार्यालयों में अधिकारी साहब को ढूँढ़ते रहते हैं

प्रश्न–5. किनमें व्यंग्य का भाव छिपा हुआ है ?

(क) साहब हमें छोड़कर जा रहे हैं

(ख) और अपनी महक छोड़ जाते हैं

(ग) हस्ताक्षर कहाँ रुकते हैं, हो ही जाते हैं

प्रश्न–6. उपर्युक्त काव्यांश का उपयुक्त शीर्षक क्या होगा ?

(क) हृदय स्पर्श (ख) जीवन सार (ग) जीवन दर्शन (घ) भाग्य व कर्म

28–रचनात्मक एवं व्यावहारिक लेखन

कविता/नाटक/कहानी की रचना प्रक्रिया

(1) कविता की परिभाषा दीजिए।

अथवा

कविता से आप क्या समझते हैं?

(2) कविता के किन्ही दो महत्वपूर्ण घटकों के नाम लिखिए।

(3) कविता में बिंब के महत्व को व्यक्त कीजिए।

(4) एक अच्छी कविता की रचना किस प्रकार की जा सकती है?

(5) छंद मुक्त कविता से क्या आशय है।

(6) कविता में बिंब प्रयोग का एक उदाहरण दीजिए।

(7) कविता रचना में प्रवेश परिवेश का क्या महत्व है?

(8) नाटक को किस प्रकार का काव्य माना गया है?

(9) नाटक विधा का संक्षेप में परिचय दीजिए।

(10) कविता किस प्रकार जीवन जीने की कला सिखाती है?

(11) इस नाटक का महत्वपूर्ण तत्व क्या है?

(12) नाटक की भाषा शैली कैसी होनी चाहिए?

(13) नाटक साहित्य की अन्य विधाओं से कैसे अलग है?

(14) संवाद नाटक के प्राण तत्व कहे जाते हैं। कैसे?

(15) कहानी की परिभाषा दीजिए।

(16) कहानी को मानव जीवन से कैसे जोड़ा जा सकता है ?

(17) कहानी शिक्षा देने का प्रमुख माध्यम कही जा सकती है कैसे

(18) कहानी के कितने तत्व होते हैं ? किन्हीं दो तत्वों के नाम लिखिए।

(19) कहानी रचना में कथानक महत्वपूर्ण तत्व हैं। कैसे?

(20) कहानी में संवाद कैसे होने चाहिए?

(21) पात्र या चरित्र कहानी के विकास में क्या योगदान देते हैं ?

पत्रकारीय लेखन के विभिन्न रूप

(1) समाचार का इंट्रो किन ककारों को आधार बनाकर लिखा जाता है ?

(2) समाचार लेखन की मानक शैली कौन सी है?

(3) उल्टा पिरामिड शैली में समाचारों को किस क्रम में लिखा जाता है ?

(4) समाचार लेखन की भाषा कैसी होनी चाहिए?

(5) उल्टा पिरामिड शैली की कोई दो विशेषताएँ लिखिए।

(6) पत्रकारीय लेखन साहित्यिक लेखन से किस प्रकार भिन्न है ?

(7) इंट्रो से आप क्या समझते हैं?

(8) फीचर लेखन का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए?

(9) फीचर की शैली समाचार लेखन की शैली से किस प्रकार भिन्न होती है?

(10) फीचर लिखते समय किन बातों का ध्यान देना आवश्यक है?

(11) विशेष रिपोर्ट को किस शैली में लिखा जाना चाहिए ? स्पष्ट कीजिए।

(12) विशेष रिपोर्ट क्या होती है ?

(13) विशेष रिपोर्ट के कितने प्रकार होते हैं ? नाम बताइए ।

(14) इन्डेप्थ रिपोर्ट किसे कहते हैं ?

(15) सम्पादकीय लेखन से आप क्या समझते हैं?

(16) सम्पादकीय लिखने का दायित्व किसका होता है ?

(17) समाचार पत्र में स्तंभ लेखन का क्या महत्व है ?

(18) पत्रकारीय साक्षात्कार से आप क्या समझते हैं ?
(19) एक अच्छे और सफल साक्षात्कार के लिए क्या आवश्यक है ?
(20) पत्रकारीय लेखन और सृजनात्मक लेखन में क्या अंतर है ?
(21) उल्टा पिरामिड शैली में समाचारों को कितने भागों में विभाजित किया जाता है ? नाम बताइए

विशेष लेखन

(1) विशेष लेखन किसे कहते हैं ?

(2) मीडिया की भाषा में विशेष लेखन क्या कहलाता है?

(3) समाचार पत्रों में किन किन क्षेत्रों में विशेष लेखन किया जा सकता है?

(4) समाचार जगत में विशेषज्ञता कैसे प्राप्त की जा सकती है?

(5) पत्र–पत्रिकाओं में खेल के बारे में लिखने के लिए क्या जरूरी है ?

(6) खबरों के विशेष क्षेत्र कौन कौन से होते हैं ?

(7) विशेषीकृत रिपोर्टिंग में किन बातों पर ध्यान देना होता है?

(8) विशेष लेखन की भाषा शैली कैसी होनी चाहिए ?

(9) मीडिया की भाषा में 'डेस्क' किसे कहते हैं?

(10) 'बीट' से आप क्या समझते हैं?

29–काव्यांग परिचय

काव्य गुण

(1) 'काव्य प्रकाश' के रचयिता आचार्य...............ने गुणों को रस का धर्म माना।

(2) काव्य में रस का उत्कर्ष करने वाली बातों को.............................. कहते हैं।

(3) गुण ....के धर्म है।

(4) भरतमुनि ने गुणों की संख्या..........मानी।

(5) आचार्य मम्मट ने गुण.....................माने।

(6) गुणों का संबंध मनुष्य की.................से है।

(7) जिस गुण के कारण रचना में मधुरता उत्पन्न होती है उसको........ गुण कहते हैं।

(8) ....माधुर्य गुण का प्रमुख भाव है।

(9) माधुर्य गुण................ रीति से संबंधित है।

(10) भरत मुनि ने 'नाट्य शास्त्र' में माधुर्य का अर्थ..................... माना है।

(11) श्रृंगार, शांत और करुण रस में ....गुण का प्रयोग होता है।

(12) ....में समास रहित मधुर तथा कोमल शब्दावली का प्रयोग होता है।

(13) सघन कुंज छाया सुखद, शीतल मंद समीर
मन ह्वे जात अजौ वहै वा जमुना के तीर
में .... गुण है।

(14) जब काव्य को पढ़ते ही अर्थ समझ में आ जाए वहाँ ....गुण होता है।

(15) प्रसाद गुण.......................... रीति से संबंधित है।

(16) चारु चंद्र की चंचल किरणें, खेल रही है जल थल में
स्वच्छ चाँदनी बिछी हुई है, अवनि और अंबर तल में

इन पंक्तियों में ....गुण है।

(17) जिस रचना को पढ़ने अथवा सुनने से मन में आवेग और उत्साह पैदा हो उसमें........... गुण होता है।

(18) ओज गुण का संबंध .... रीति से है।

(19) वीर, रौद्र, वीभत्स तथा भयानक रसों में .... गुण होता है।

(20) काव्य गुण कितने प्रकार के होते हैं ? नाम लिखिए।

(21) काव्य की शोभा बढ़ाने वाले धर्म को................. कहते हैं ।

(22) काव्य गुण किसको कहते हैं?

(23) ''होगी जय, होगी जय

हे पुरुषोत्तम नवीन'' में ....गुण है।

(24) अरावली श्रृंग–सा समुन्नत सिर किसका ?

बोलो, कोई–बोलो अरे ! क्या तुम सब मृत हो ?

पंक्तियों में............. गुण है

(25) प्रसाद गुण किन रसों में प्रयुक्त होता है ?

(26) माधुर्य गुण किन रसों से संबंधित है ?

(27) काव्य गुणों का रसों से क्या संबंध है ?

(28) ''सच पूछो तो शर में ही बसती है दीप्ति विनय की'' पंक्ति में .... गुण है।

(29) ''संतो, भाई आई ज्ञान की आंधी रे'' में .... गुण है।

(30) कंकण किंकिन नूपुर धुनि सुनि

कहत लखन सन राम ह्रदय गुनि'' में .... गुण है।

(31) हिमाद्री तुंग श्रृंग से प्रबुद्ध शुद्ध भारती

स्वयंप्रभा समुज्ज्वला स्वतंत्रता पुकारती'' में .... गुण है।

(32) ....गुण से युक्त काव्य सरल सुबोध होता है

(33) माधुर्य गुण के व्यंजक वर्ण .... है।

(34) ओज गुण में................. वर्णों का प्रयोग होता है।

काव्य दोष

(1) काव्य के मुख्यार्थ में बाधा उत्पन्न करने वाले तत्वों को .... कहते हैं।

(2) काव्य की रसानुभूति में बाधक तत्वों को ....कहते हैं।

(3) जब किसी कविता के पढ़ने अथवा सुनने मात्र से कटुता उत्पन्न हो जाए तो वहाँ................. दोष होता है ।

(4) जब काव्य में व्याकरण संबंधी दोष होता है, तो वहाँ ....दोष होता है।

(5) जहाँ किसी शब्द का अर्थ आसानी से समझ में ना आए वहाँ ....दोष होता है।

(6) अश्लीलत्व दोष की परिभाषा लिखिए।

(7) ''पानी, पावक, पवन प्रभु, ज्यों असाधु त्यों साधु'' पंक्ति में ....दोष है ।

(8) जब वाक्य में शब्दों का क्रम ठीक नहीं होता वहाँ .... दोष होता है ।

(9) जहाँ शास्त्रों अथवा परंपरा में प्रसिद्ध क्रम के विपरीत किसी बात का वर्णन होता है, वहाँ .. ..दोष होता है ।

(10) अक्रमत्व दोष की परिभाषा दीजिए।

(11) 'जिस ने अपनाया था त्यागा, रहे स्मरण ही आते '' पंक्ति में.................... दोष है।

(12) ''मुंड पै मुकुट धरे सोहत है गोपाल'' काव्य पंक्ति में ....काव्य दोष है।

(13) क्लिष्टत्व दोष का उदाहरण लिखिए।

छंद

(1) प्रत्येक छंद में चार पंक्तियाँ होती है इनको कहते........................ हैं।

(2) छंद शास्त्र के अनुसार तीन वर्णों के समूह को ....समूह कहा जाता है ।

(3) गण की संख्या ....है ।

(4) छंद दो प्रकार के होते हैं (i)..................(ii)...................

(5) सम छंदों के चारों चरणों में मात्राओं ....की संख्या होती है।

(6) अर्ध सम छंद में पहले तथा ....और दूसरे तथा ....चौथे चरण में मात्राओं तथा वर्णों की संख्या समान होती है।

(7) गीतिका छंद के प्रत्येक चरण में 14 और ....की यदि से ....कुल मात्राएँ होती है।

(8) छप्पय छंद के पहले चार चरण................. के तथा बाद के दो चरण ....के होते हैं।

(9) दोहा तथा रोला छंदों के मेल से ....छंद बनता है ।

(10) दोहा छंद, ...छंद का उल्टा होता है।

(11) द्रुत विलंबित वर्णिक.......................... छंद है ।

(12) कवित्त छंद का अन्य नाम................ है।

(13) कवित्त छंद के लक्षण बताइए।

(14) वंशस्थ छंद प्रत्येक चरण में............................. वर्ण होते हैं।

(15) वंशस्थ छंद के प्रत्येक चरण में क्रमशः जगण तगण.................. तथा रगण आते हैं।

(16) जब काव्य के प्रत्येक चरण में 16,15 पर यति होती है एवं 31 वर्ण होते हैं उसे ....छंद कहते हैं।

(17) जिस सवैया के प्रत्येक चरण में 7 भगण तथा दो गुरू वर्ण होते हैं वहाँ .... सवैया होती है।

(18) कविता में प्रयुक्त होने वाले वर्ण, मात्रा, यति आदि के संघटन .... को कहते हैं।

(19) साहित्य में वर्ण दो प्रकार के माने गए हैं (i)...............(ii)...................

(20) छंद को पढ़ते समय चरण के अंत में ठहरने को........................ कहते हैं ।

(21) छंद को पढ़ने की लय का नाम................. है।

(22) हिंदी साहित्य में निराला जी को........................ छंद का प्रवर्तक माना गया है।

(23) दोहा छंद के विषम चरणों में.................. मात्राएं और सम चरणों में ....मात्राएँ होती है।

(24) गीतिका के आरंभ में 2 मात्राएँ जोड़ने से ....छंद बनता है ।

अलंकार

(1)''काव्य शोभाकरान धर्मान अलंकरान प्रचक्षते ''अलंकार की परिभाषा............. आचार्य ने दी थी।

(2) पंडितराज जगन्नाथ में 'रसगंगाधर' नामक ग्रंथ में ....का गहन विवेचन किया।

(3) ''जदपि सुजाति सुलच्छनी सुबरन सरस सुवृत ।

भूषण बिनु न बिराजई कविता बनिता मित्र'' यह आचार्य.................. का मत है।

(4)काव्य को सुसज्जित करने तथा उसके प्रभाव में वृद्धि करने वाले कारक.............. कहलाते हैं।

(5) अलंकार के दो मुख्य भेद हैं (i)..................... (ii)...................

(6) काव्य में जहाँ चमत्कार शब्द में स्थित होता है............. वहाँ अलंकार होता है।

(7) जहाँ काव्यगत चमत्कार शब्द पर नहीं अर्थ पर निर्भर होता है, वहाँ.......... अलंकार होता है।

(8) जहाँ अप्रस्तुत के वर्णन के माध्यम से प्रस्तुत का ज्ञान होता है वहाँ ....अलंकार होता है।

(9) ''नहिं पराग नहिं मधुर मधु, नहिं विकास इहि काल ।

अली कली ही सो बिंध्यों आगे कौन हवाल '' पंक्तियों में ....अलंकार है ।

(10) जहाँ कारण अभाव में भी कार्य संपन्न हो जाए वहाँ ....अलंकार होता है।

(11) विभावना अलंकार, ...अलंकार का विपरीत होता है।

(12)''पद बिनु चले, सुने बिनु काना।

कर बिनु कर्म करे विधि नाना '' पंक्तियों में .... अलंकार है ।

(13)जहाँ कारण के होने पर भी कार्य का ना होना प्रदर्शित किया जाता है, वहाँ .... अलंकार होता है ।

(14)सुनत जुगल कर माल उठाई प्रेम विवश पहिराइ न जाई पंक्तियों में..........अलंकार है।

(15)जहाँ उपमेय वाक्य की उपमान वाक्य से बिम्बात्मक समानता प्रकट की जाए वहाँ .... अलंकार होता है।

(16)जहाँ प्रसिद्ध उपमान का उपमेय की तुलना में अपकर्ष प्रकट किया जाता है वहाँ ....अलंकार होता है।

(17) ''बहुरि विचार कीन्ह मन माही,

सिय बदन सम हिमकर नाही'' पंक्तियों में................. अलंकार है ।

(24) जब अमूर्त भावों अथवा जड़ वस्तुओं में मानवीय गुणों का आरोपण कर दिया जाए वहाँ.... ....अलंकार होता है ।

(25) जहाँ उपमान की अपेक्षा उपमेय का उत्कर्ष दिखाया गया हो वहाँ ....अलंकार होता है।

(20) अलंकार के लक्षण लिखिए ।

(21) विशेषोक्ति अलंकार का एक उदाहरण लिखिए ।

(22) व्यतिरेक अलंकार के लक्षण लिखिए ।

(23) लिखन बैठी जाकी छवि, गहि गहि गरब गरूर

भये न केते जगत के चतुर चितेरे क्रूर उपरोक्त दोहे में............. अलंकार है।

(24)''देखो दो दो मेघ बरसते

मैं प्यासी की प्यासी '' पंक्तियों में ....अलंकार है ।

(25) काव्य पंक्ति में जहाँ वर्णों की आवृत्ति होती है वहाँ ....अलंकार होता है ।

(26) यमक अलंकार की परिभाषा दीजिए।

(27) यमक अलंकार का उदाहरण दीजिए ।

(28) श्लेष अलंकार का उदाहरण दीजिए।

(29) उपमा के ....अंग होते हैं ।

(30) जिस विशिष्ट वस्तु से तुलना की जाए उसे ....कहते हैं।

(31) जहाँ प्रस्तुत (उपमेय) के द्वारा अप्रस्तुत (उपमान) का बोध हो, वहाँ ....अलंकार होता है ।

(32) ''कुमुदिनी हूं प्रफुलित भयी साँझ कलानिधि जोई'' पंक्ति में अलंकार है ।

(33) अन्योक्ति अलंकार का अन्य नाम.................... है।

मॉडल प्रश्न पत्र (1) उच्च माध्यमिक परीक्षा 2022

विषय –हिन्दी साहित्य

कक्षा–12

समयः2 घण्टे 45 मिनट पूर्णांक : 80

खण्ड–अ

1. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर पुस्तिका में कोष्ठक में लिखिए :– 6 X 1 =6

परिश्रम कल्पवृक्ष है। जीवन की कोई भी अभिलाषा परिश्रम रूपी कल्पवृक्ष से पूर्ण हो सकती है। परिश्रमजीवन का आधार है, उज्ज्वल भविष्य का जनक और सफलता की कुंजी है। सृष्टि के आदि से अद्यतन काल तक विकसित सभ्यता और सर्वत्र उन्नति परिश्रम का परिणाम है। आज से लगभग पचास साल पहले कौन कल्पना कर सकता था कि मनुष्य एक दिन चाँद पर कदम रखेगा या अंतरिक्ष में विचरण करेगा पर निरंतर श्रम की बदौलत मनुष्य ने उनकल्पनाओं एवं संभावनाओं को साकार कर दिखाया है। मात्र हाथ पर हाथ धरकर बैठे रहने से कदापि संभव नहीं होता।

किसी देश, राष्ट्र अथवा जाति को उस देश के भौतिक संसाधन तब तक समृद्ध नहीं बना सकते जब तक कि वहाँ के निवासी उन संसाधनों का दोहन करने के लिए अथक परिश्रम नहीं करते। किसी भूभाग की मिट्टी कितनी भी उपजाऊ क्यों न हो, जब तक विधिवत परिश्रमपूर्वक उसमें जुताई, बुआई, सिंचाई, निराई–गुड़ाई नहीं होगी, अच्छी फसल प्राप्त नहीं हो सकती। किसी किसान को कृषि संबंधी अत्याधुनिक कितनी ही सुविधाएँ उपलब्ध करा दीजिए, यदि उसके उपयोग में लाने के लिए समुचित श्रम नहीं होगा, उत्पादन क्षमतामें वृद्धि संभव नहीं है। परिश्रम से रेगिस्तान भी अन्न उगलने लगते हैं। हमारे देश की स्वतंत्रता के पश्चात हमारी प्रगति की द्रुतगति भी हमारे श्रम का ही फल है। भाखड़ा नांगल का विशाल बाँध हो या श्री हरिकोटाकेरॉकेट प्रक्षेपण केंद्र, हरित क्रांति की सफलता हो या कोविड 19 की

रोकथाम के लिए टीका तैयार करना, प्रत्येक सफलता हमारे श्रम का परिणाम है तथा प्रमाण भी है।

(1) गद्यांश में परिश्रम को कल्पवृक्ष के समान बताया गया है क्योंकि इससे–

(क) भौतिक संसाधन जुटाए जाते हैं

(ख) परिश्रमी व्यक्ति वृक्ष के समान परोपकारी होता है

(ग) इच्छा दमन करने का बल प्राप्त होता है

(घ) व्यक्ति की इच्छाओं की पूर्ण पूर्ति संभव है

(2) भारत के परिश्रम के प्रमाण क्या–क्या बताए गए हैं ?

(क) बाँध, कोविड 19 की रोकथाम काटीका, प्रक्षेपण केंद्र

(ख) कोविड 19 की रोकथाम का टीका, प्रक्षेपण केंद्र, रेगिस्तान

(ग) कोविड 19 की रोकथाम का टीका, प्रक्षेपण केंद्र, हवाई पट्टियों का निर्माण

(घ) वृक्षारोपण, कोविड 19 की रोकथाम का टीका, प्रक्षेपण केंद्र

(3) कैसे व्यक्ति को अंधकार में बताया गया है ? 1

(क) श्रमहीन व्यक्ति (ख) विश्रामहीन व्यक्ति (ग) नेत्रहीन व्यक्ति (घ) प्रकाशहीन व्यक्ति

(4) कोई देश, राष्ट्र अथवा जाति तब ही समृद्ध होती है, जब वहाँ के निवासी – 1

(क) परिश्रमी हो (ख) आलसी हो (ग) कल्पनाशील हो (घ) धनवान हो

(5) 'स्वतंत्रता' शब्द में प्रत्यय बताइए – 1

(क) ता (ख) स्व (ग) आ (घ) स्वतंत्र

(6) गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक है ? 1

(क) कल्पवृक्ष (ख) श्रम का महत्त्व (ग) अभिलाषा पूर्ति (घ) कल्पनाएँ

2. निम्नलिखित अपठित पद्यांश को ध्यान पूर्वक पढ़कर दिए गए वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर

पुस्तिका में कोष्ठक में लिखिए :– 6 X 1 =6

उठे राष्ट्र तेरे कंधों पर,
बढ़े प्रगति के प्रांगण में,
पृथ्वी को और दिया उठाकर, तूने नभ के आंगन में

तेरे प्राणों के ज्वारों पर,
लहराते है देश सभी,
चाहे जिसे इधर कर देतू,
चाहे जिसे उधर क्षण में।

विजय वैजयंती फहरी जो
जग के कोने को ने में,
उसमें तेरा नाम लिखा है,
जीने में बलि होने में।

गहरे रन घनघोर बढ़ी
सेनाएँ तेरा बल पाकर,
स्वर्ण–मुकुट आ गए चरण–तल

तेरे शस्त्र संजोने में।

तेरे बाहुदंड में वह बल ,
जो केहरि–कटि तोड़ सके
तेरे दृढ़ कंधों में वह बल,
जो गिरि से ले होड़ सके।

(1) 'उठे राष्ट्र तेरे कंधों पर '– इसमें 'तेरे' किसके लिए कहा गया है ? 1

(क) देश के बच्चों के लिए (ख) देश के युवाओं के लिए

(ग) देश के बुजुर्गों के लिए (घ) इसमें से कोई नहीं

(2) पद्यांश में आये शब्द 'केहरि' का पर्याय है – 1

(क) मृगेन्द्र (ख) बंदर (ग) हाथी (घ) गीदड़

(3) पद 'विजय–वैजयंती' में कौन सा अलंकार है ? 1

(क) अनुप्रास (ख) उपमा (ग)श्लेष (घ) रूपक

(4) प्रस्तुत काव्यांश में कवि की युवाओं से क्या अपेक्षाएं है ? 1

(क) देश प्रगति एवं रक्षा भार ले (ख)कमजोर लोगों एवं दलितों का उद्धार करें

(ग) दुश्मनों का डटकर मुकाबला करे (घ) उपरोक्त सभी

(5) केहरि–कटि तोड़ने से कवि का आशय है ? 1

(क) असंभव को संभव कर देना (ख) कमजोर का भला करना

(ग)गरीबों की मदद करना (घ) इनमें से कोई नहीं

(6) गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक है ? 1

(क) ताकत का महत्त्व (ख) युवा शक्ति का महत्त्व

(ग) देश की प्रगति (घ) सेना का महत्त्व

3. दिए गए रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए :– 6 X=6

(1) 'काव्य प्रकाश' के रचयिता आचार्य ....ने गुणों को रस का धर्म माना हैं। 1

(2) काव्य के मुख्यार्थ में बाधा उत्पन्न करने वाले तत्वों को ....कहते हैं। 1

(3) प्रत्येक छंद में चार पंक्तियां होती है इनको.............कहते हैं। 1

(4) छप्पय छंद के पहले चार चरण...................के तथा बाद के दो चरण ....के होते हैं। 1

(5) ''काव्य शोभाकरान धर्मान अलंकरान प्रचक्षते ''अलंकार की परिभाषा..................आचार्य ने दी थी। 1

(6) जहाँ अप्रस्तुत के वर्णन के माध्यम से प्रस्तुत का ज्ञान होता है वहाँ .... अलंकार होता है। 1

4. निम्नलिखित अतिलघूत्तरात्मक प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रत्येक प्रश्न के लिए अधिकतम शब्द सीमा 20 शब्द है। 12 X1 =12

1. 'तर्पण' से क्या अभिप्राय है? 1
2. 'कार्नेलिया का गीत' रचना किस पुस्तक से ली गई है ? 1
3. आचार्य रामचंद्र शुक्ल के पिताजी किताबें उन से छुपा कर क्यों रखते थे ? 1
4. 'घड़ी के पुर्जे' से लेखक का क्या आशय है ? 1
5. 'विभावना' अलंकार से युक्त कोई एक मौलिक उदाहरण लिखिए। 1

6. अनुप्रास अलंकार की परिभाषा लिखिए। 1

7. कविता के किन्हीं दो महत्वपूर्ण घटकों के नाम लिखिए। 1

8. नाटक को किस प्रकार का काव्य माना गया है ? 1

9. कहानी की परिभाषा दीजिए। 1

10. समाचारों का इंट्रो किन ककारों को आधार बना कर लिखा जाता है ? 1

11. पत्रकारीय लेखन साहित्यिक लेखन से किस प्रकार भिन्न है ? 1

12. विशेष रिपोर्ट क्या होती है ? 1

खंड– ब

निर्देश :–प्रश्न संख्या 05 से 16 तक प्रत्येक प्रश्न के लिए अधिकतम शब्द सीमा 40 शब्द है।

5. फीचर की शैली समाचार लेखन की शैली से किस प्रकार भिन्न होती हैं ? 2

6. समाचार पत्र स्तंभ लेखन का क्या महत्व है ? 2

7. 'आदमी उजड़ेगा तो पेड़ जीवित रह कर क्या करेंगे' इस कथन की व्याख्या कीजिए।2

8. रावण के समक्ष अंग द्वारा किए गए श्री रामचंद्र जी के गुणों का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए। 2

9. केदारनाथ सिंह अथवा केशवदास में से किसी एक कविका साहित्यिक परिचय लिखिए।2

10. 'डिजिटल इंडिया' के दौर में संवदिया की क्या कोई भूमिका हो सकती है ? उत्तर दीजिए। 2

11. 'यह वह विश्वास नहीं जो अपनी लघुता में भी काँपा' पंक्ति में कवि अज्ञेय लघुता के माध्यम से क्या संकेत कर रहे हैं ? 2

12. असगर वजाहत अथवा ममता कालिया में से किसी एक साहित्यकार का साहित्यिक परिचय लिखिए ? 2

13. शिप्रा नदी के बारे में लेखक ने क्या कहा है ? संक्षिप्त में वर्णन कीजिए। 2

14. हिमांग पर रहते हुए भूप दादा अपने को अकेला क्यों नहीं मानते ? 2

15. सूरदास पोटली को खोकर किस प्रकार पछता रहा था ? स्पष्ट कीजिए। 2

16. जग धर ने भैरो ंको सूरदास का रुपया लौटा देने की सलाह कि सभावना से दी थी ? संक्षिप्त में समझाइए। 2

खंड – स

17. सभी जानवर स्वेच्छा से शेर के मुँह में क्यों जा रहे थे ? विवेचना कीजिए। 3

(उत्तर सीमा 60 शब्द)

अथवा

पं ब्रजमोहन व्यास की सबसे बड़ी देन क्या है ? वर्णन कीजिए।

18. निम्नलिखित पंक्तियों का काव्य सौंदर्य स्पष्ट कीजिए। 3

(उत्तरसीमा 60 शब्द)

''जो है वह सुग बुगाता है
जो नहीं है वह फेंकने लगता है पचखियाँ
आदमी दशाश्वमेध पर जाता है
और पाता है घाट का आखरी पत्थर
कुछ और मुलायम हो गया है''

अथवा

सत्य बोलना, सत्य सुनना, सत्य सहन करना और सत्य का पालन करना आ के

बदल तेपरिवेश में अत्यंत कठिन क्यों है ?अपने शब्दों में लिखिए।

19. 'सूरदास की झोंपड़ी' पाठ की वर्तमान समय में क्या प्रासंगिकता है ?अपने विचार लिखिए। 4

(उत्तरसीमा 80 शब्द)

अथवा

'अपना मालवा खाऊ–उजाड़ू सभ्यता में' पाठ, लेखक की पर्यावरण संबंधी चिंता का यथार्थ चित्र प्रस्तुत करता है। पठित पाठ के आधार पर लिखिए।

खंड –द

20. निम्नलिखित पठित काव्यांशों में से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए –1+4=5

हिमालय किधर है ?
मैंने उस बच्चे से पूछा जो स्कूल के बाहर
पतंग उड़ा रहा था

उधर–उधर–उसने कहा
जिधर उसकी पतंग भागी जा रही थी

मैं स्वीकार करूँ
मैंने पहली बार जाना
हिमालय किधर है!

अथवा

सखी हे, कि पुछसि अनुभव मोए।

सेह पिरिति अनुराग बखानिअ तिल तिल नूतन होए।।

जनम अबधि हम रूप निहारल नयन न तिरपित भेल।।

सेहो मधुर बोल स्रवनहि सूनल स्रुति पथ परस न गेल।।

कत मधु जामिनि रभस गमाओलि न बूझल कइसन केलि।।

लाख–लाख जुग हिअ हिअ राखल तइयो हिअ जरनि न गेल।।

21. निम्नलिखित पठित गद्यांशों में से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए– 1+4=5

पुर्जे खोल कर फिर ठीक करना इतना कठिन काम नहीं है, लोग सीखते भी हैं, सिखाते भी हैं, अनाड़ी के हाथ में चाहे घड़ी मत दोपर जो घड़ी साजी का इम्तहान पास कर आया है,उसे तो देखने दो। साथ ही यह भी समझा दो कि आप को स्वय ंघड़ी देखना, साफ करना और सुधार ना आता है कि नहीं। हमें तो धोखा होता है कि पर दादा की घड़ी जेब में डाल फिरते हो, वह बंद हा गई है, तुम्हें न चाबी देना आता है न पुर्जे सुधार ना तो भी दूसरों को हाथ नहीं लगाने देते।

अथवा

वह धान रोपाई का महीना था। जुलाई का अंत–जब बारिश के बाद खेतों में पानी जमा हो जाता है। हम उस दुपहर सिंगरौली के क्षेत्र–नवागाँव गए थे। इस क्षेत्र की आबादी पचास हजार से ऊपर है, जहाँ लगभग अठारह छोटे–छोटे गाँव बसे हैं। इन्हीं गाँवों में एक का नाम है–अमझर–आम के पेड़ों से घिरा गाँव–जहाँ आम झरते हैं। किंतु पिछले दो–तीन वर्षों से पेड़ों पर सूनापन है,न कोई फल पकता है, न कुछ नीचे झरता है। कारण पूछने पर पता चला कि जब से सरकारी घोषणा हुई है कि अमरौली प्रोजेक्ट के अंतर्गत नवागाँव के अनेक गाँव उजाड़ दिए जाएँगे, तब सेन जाने कैसे, आम के पेड़ सूखने लगे। आदमी उजड़ेगा, तो पेड़ जीवित रह कर क्या करेंगे ?

22. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 400 शब्दों में सार गर्भित निबंध लिखिए–6

अ. कोरोना और बदलते आर्थिक परिदृश्य

ब. यदि मैं मुख्यमंत्री होता

स. सोशल मीडिया दुविधा या सुविधा

द. आधुनिक साहित्यिक प्रवृत्तियाँ

य. ग्रामीण विकास में महिला जनप्रतिनिधि

मॉडल प्रश्न पत्र (2) उच्च माध्यमिक परीक्षा 2022

विषय –हिन्दी साहित्य

कक्षा–12

समयः2 घण्टे 45 मिनट | पूर्णांक : 80

खण्ड–अ

1. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को ध्यान पूर्वक पढ़कर दिए गए वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर पुस्तिका में कोष्ठक में लिखिए :– 6x1 =6

आत्मा एक है, पर उसके रूप अनेक हैं। दूसरों को कष्ट देना अपनी आत्मा को ही कष्ट देना है, अन्य को धोखा देना अपनी आत्मा को छलना है, पराये को दुख पहुँचाना स्वयं की आत्मा को दुखी बनाना है। यदि हम दूसरों को आनंद पहुँचाते हैं तो स्वयं हमारी आत्मा भी आनंदित हुआ करती है। आत्मा की उपमा समुद्र के जल से की गई है। जिस प्रकार अनेक बर्तनों में भरे जाने पर भी जल जल ही रहता है, केवल उसका आकार बदला हुआ होता है, उसी प्रकार सभी जीवधारियों की आत्मा अनेक शरीरों में रहकर भी एक है। सभी जीवों को सभी जीवधारियों में अपनी आत्मा का सच्चा स्वरूप समझ कर समान व्यवहार करना चाहिए। यही शिक्षा महावीर स्वामी की है, जिन्होंने चींटी से लेकर हाथी तक में अपनी ही आत्मा का स्वरूप देखने में सफलता प्राप्त की थी।

महावीर स्वामी भगवान के अनेक अवतारों में से एक है, जिन्होंने मानव जाति को दिखाने के लिए मानव रूप धारण किया था, क्योंकि उनके कार्यकाल में जनता को भ्रम में डालने वाले अनेक मत–मतान्तर फैले हुए थे। क्या सच्चा और क्या झूठा है,यह समझना सर्व साधारण के लिए कठिन था। ऐसी अवस्था में किसी अवतारी पुरुष का जन्म अत्यंत आवश्यक था। जो अपने शुद्ध कर्मों, आदर्श व्यवहारों, ज्ञान एवं आत्मबल के द्वारा लोगों को सही मार्ग दिखा सके। अतः भगवान महावीर ने मनुष्य जन्म लिया। मैं तो ऐसा ही मानता हूँ और मेरे जैन बंधु तीर्थं करके रूप में पूजते हैं तो मुझे यह भी भाता है।

(1) महावीर स्वामी ने किस धर्म का प्रतिपादन किया ? 1

(क) जैन धर्म (ख) बौद्ध धर्म (ग) ईसाई धर्म (घ) हिंदू धर्म

(2) आत्मा की उपमा किसे दी गई है ? 1

(क) तालाब के जल से (ख) नदी के जल से (ग)समुद्र के जल से (घ) कुंड के जल से

(3) निम्न में से कौनसा जल का पर्यायवाची नहीं है– 1

(क) अंबु (ख) वारी (ग) जलद (घ) तोय

(4) महावीर स्वामी ने सभी जीवधारियों के साथ समान व्यवहार करने के पीछे क्या तर्क दिया ? 1

(क) सभी का जन्म माँ की कोख से हुआ है।

(ख) सभी की मृत्यु होती है।

(ग) सभी के खून का रंग लाल है।

(घ) सभी में एक ही आत्मा का वास है।

(5) महावीर स्वामी के जन्म के समय – 1

(क) लोगों को सच्चे झूठे का ज्ञान नहीं था।

(ख) जनता भ्रम में थी।

(ग) अनेक मत मतान्तर प्रचलित थे।

(घ) उपरोक्त सभी।

(6) महावीर स्वामी ने किस रूप में जन्म लिया ? 1

(क) देवता के रूप में (ख) मनुष्य के रूप में

(ग) तीर्थं करके रूप में (घ) भगवान के रूप में

2. निम्नलिखित अपठित पद्यांश को ध्यान पूर्वक पढ़कर दिए गए वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर अपनी

उत्तरपुस्तिका में कोष्ठक में लिखिए :– 6x1 =6

मैं नहीं चाहता चिर सुख,
मैं नहीं चाहता चिर दुख,
सुख–दुःख की आँख मिचौनी में,
खोलें जीवन अपना मुख

सुख–दुख के मधुर मिलन से,
यह जीवन हो परिपूरण,
फिर घन में ओझल हो शशि
फिर शशि में ओझल हो घन

जग पीड़ित है अति सुख से,
जग पीड़ित है अति दुःख से,
मानव जग में बँट जावे,
दुःख सुख से सुख–दुःख से

अविरल दुःख उत्पीड़न
अविरल सुख भी उत्पीड़न
दुःख सुख की दिवा–निशा में
सोता जगता जगजीवन

यह साँझ उषा का आँगन
आलिंगन विरह मिलन का
चिर हास अश्रुमय आनन

रे इस मानव जीवन का।

(1) जग पीड़ित है– 1

(क) अति सुख से (ख) अति दुःख से (ग) दोनों से (घ) किसी से भी नहीं

(2) सुख–दुःख में कौनसा समास है – 1

(क) द्विगु (ख) द्वंद्व (ग) तत्पुरुष (घ) कर्मधारय

(3) जग–जीवन में कौनसा अलंकार है ? 1

(क) अनुप्रास (ख) उपमा (ग) श्लेष (घ) रूपक

(4) इस कविता में कौन सा काव्य गुण है ? 1

(क) ओज (ख) प्रसाद (ग) माधुर्य (घ) समता

(5) कविता का उपयुक्त शीर्षक बताइए –

(क) सुख–दुख (ख) दिवा–निशा (ग) साँझ–उषा (घ) जीवन 1

(6) निम्न में कौनसा शब्द घन का पर्यायवाची नहीं है? 1

(क) मेघ (ख) बादल (ग) वारिद (घ) जलधि

3. दिए गए रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए :–

(1) भरत मुनि ने गुणों की संख्या .... मानी। 1

(2) काव्य की रसानुभूति में बाधक तत्वों को ....कहते हैं। 1

(3) दोहा तथा रोला छंदों के मेल से ....छंद बनता है। 1

(4) द्रुत विलंबित वर्णिक.....................छंद है। 1

(5) यमक अलंकार का उदाहरण दीजिए। 1

(6) जब किसी शब्द का प्रयोग एक बार ही किया जाए पर उसके एक से अधिक अर्थ निकलते हैं

वहाँ .... अलंकार होता है। 1

4. निम्नलिखित अतिलघूत्तरात्मक प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रत्येक प्रश्न के लिए अधिकतम शब्द सीमा 20 शब्द है।

1. 'नीरवता' शब्द का अर्थ बताइए। 1
2. कवि निराला के अनुसार संसार किससे भर गया है ? 1
3. भारतेंदु के बारे में लेखक रामचंद्र शुक्ल के मन में कैसी भावना जगी थी ? 1
4. "लड्डू की पुकार, जीवित वृक्ष के हरे पत्तों का मधुर मर्मर था" का अर्थ स्पष्ट कीजिए।1
5. एक अच्छी कविता की रचना किस प्रकार की जा सकती है ? 1
6. 'नाटक' साहित्य की अन्य विधाओं से किस प्रकार अलग है ? 1
7. 'कहानी' के कितने तत्व होते हैं ? किन्हीं दो तत्वों के नाम लिखिए। 1
8. इंट्रो से आप क्या समझते हैं ? 1
9. संपादकीय लेखन से आप क्या समझते हैं ? 1
10. उल्टा पिरामिड शैली में समाचारों को कितने भागों में विभाजित किया जाता है ? नाम लिखिए। 1
11. अनुप्रास अलंकार के लक्षण लिखिए । 1
12. लिखन बैठी जाकी छवि, गहि गहि गरब गरूर 1

    भले न केते जगत के चतुर चितेरे क्रूर

    उपर्युक्त पंक्ति में कौनसा अलंकार है ?

खंड– ब

निर्देश :–प्रश्न संख्या 05 से 16 तक प्रत्येक प्रश्न के लिए अधिकतम शब्द सीमा 40 शब्द है।

5. फीचर लिखते समय किन–किन बातों का ध्यान रखना होता है ? 2

6. उल्टा पिरामिड शैली में समाचारों को किस क्रम में लिखा जाता है ? 2

7. बड़ी हवेली से बुलावा आना संवदिया के लिए अप्रत्याशित क्यों था ? 2

8. 'इसको भी पंक्ति को दे दो' से कवि अज्ञेय का क्या आशय है ? 2

9. विद्यापति और अज्ञेय में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय लिखिए। 2

10. संभव और पारो द्वारा लगाई मनोकामना की गाँठ का क्या परिणाम रहा ? स्पष्ट कीजिए।2

11. 'भरत–राम का प्रेम' कविता में व्यक्त भरत के आत्म–परिताप का संक्षिप्त विवेचन कीजिए।2

12. ब्रजमोहन व्यास अथवा निर्मल वर्मा में से किसी एक साहित्यकार का साहित्यिक परिचय लिखिए। 2

13. सूरदास की झोंपड़ी को आग किसने लगाई थी ? वहाँ उपस्थित लोगों का इस विषय में क्या मत था ? 2

14. सूरदास को किस बात का दुख था और क्यों ? स्पष्ट कीजिए। 2

15. देवकुंड के बस स्टॉप पर रूप सिंह के सामने क्या समस्या आई ? 2

16. मालवा में हुई वर्षा के बारे में लेखक ने क्या बताया है ? 2

खंड – स

17. मिल मालिक किस प्रकार मजदूरों का शोषण कर रहा था ? विस्तार से बताइए। 3

(उत्तरसीमा 60 शब्द)

अथवा

लेखक ने संग्रहालय का शिलान्यास नेहरू जी से किस प्रकार करवाया ?

18.निम्नलिखित पंक्तियों का काव्य सौंदर्य स्पष्ट कीजिए। 3

''किसी अलक्षित सूर्य को

देता हुआ अर्ध्य

शताब्दियों से इसी तरह

गंगा के जल में

अपनी एक टाँग पर खड़ा है यह शहर

अपनी दूसरी टाँग से बिलकुल बेखबर!

(उत्तरसीमा 60 शब्द)

अथवा

सत्य हम से परे क्यों और किस प्रकार हटता चला जाता है ? स्पष्ट कीजिए ।

19. 'आशा से ज्यादा दीर्घ जीवी कोई वस्तु नहीं होती' सूरदास की मनःस्थिति के आधार पर इस कथन की विवेचना कीजिए । (उत्तरसीमा 80 शब्द)4

अथवा

'अपना माल वाखाऊ–उजाड़ू सभ्यता में' पाठ के लेखक का खाऊ–उजाड़ू सभ्यता से क्या तात्पर्य है ? यूरोप और अमेरिका की इस सभ्यता के विकास में क्या भूमिका है ?

खंड –द

20. निम्नलिखित पठित काव्यांशों में से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए – 14=5

के पतिया लए जाएत रे मोरा पिअतम पास ।

हिए नहि सहए असह दुख रे भेल साओन मास । ।

एकसरि भवन पिआ बिनु रे मोहि रहलो न जाए।

सखि अनकर दुख दारुन रे जग के पतिआए ।।

अथवा

तुमने कभी देखा है
खाली कटोरों में वसंत का उतरना !
यह शहर इसी तरह खुलता है
इसी तरह भरता है
और खाली होता है यह शहर
इसी तरह रोज–रोज एक अनंत शव
ले जाते हैं कंधे
अँधेरी गली से
चमकती हुई गंगा की तरफ

21. निम्नलिखित पठित गद्यांशों में से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए–

यदि अधिक करो तो घड़ी देखना स्वयं सीखलो किंतु तुम चाहते हो कि घड़ी का पीछा खोल कर देखें, पुर्जे गिन लें, उन्हें खोलकर फिर जमा दें, साफ करके फिर लगा लें–यह तुमसे नहीं होगा। तुम उसके अधिकारी नहीं। यह तो वेद शास्त्रज्ञ धर्म आचार्यों का ही काम है कि घड़ी के पुर्जे जानें ,तुम्हें इससे क्या ? क्या इस उपमा से जिज्ञासा बंद हो जाती है ?

अथवा

एक भरे–पूरे ग्रामीण अंचल को कितने नासमझी और निर्ममता से उजाड़ा जा सकता है, सिंगरौली इस का ज्वलंत उदाहरण है। अगर यह इलाका उजाड़ रेगिस्तान होता तो शायद इतना क्षोभ नहीं होता । किंतु सिंगरौली की भूमि इतनी उर्वरा और जंगल इतने समृद्ध है कि उनके सहारे शताब्दियों से हजारों वनवासी और किसान अपना भरण–पोषण करते आए हैं। 1926 पूर्व यहाँ खैरवार जाति के आदिवासी राजा शासन किया करते थे, किंतु बाद में सिंगरौली का आधा हिस्सा, जिसमें उत्तर प्रदेश तथा मध्य प्रदेश के खंड शामिल थे, रीवाँ राज्य के भीतर शामिल कर लिया गया।

22. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 400 शब्दों में सार गर्भित निबंध लिखिए–6

अ. भारतीय संस्कृति का अनोखा स्वरूप

ब. साइबर अपराध या कंप्यूटर उमुखी अपराध

स. बेरोजगारी निर्माण में शिक्षा की भूमिका

द. समाज के नवनिर्माण में साहित्य की भूमिका

य. आज के समय में सोशल मीडिया

मॉडल प्रश्न पत्र (3) उच्च माध्यमिक परीक्षा 2022

विषय –हिन्दी साहित्य

कक्षा–12

समयः2 घण्टे 45 मिनट पूर्णांक : 80

खण्ड–अ

प्रश्न–1 निम्नलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तरपुस्तिका में कोष्ठक में लिखिए–

शिक्षा को महत्वाकांक्षा से मुक्त ही होना चाहिए। महत्वाकांक्षा ही तो राजनीति है। महत्वाकांक्षा के कारण ही तो राजनीति सब से ऊपर सिंहासन पर विराजमान हो गई। सम्मान वहाँ है, जहाँ पद है, जहाँ शक्ति है। शक्ति वहाँ है, जहाँ राज्य है। इस दौड़ से जीवन में हिंसा पैदा होती है। महत्वाकांक्षी चित्त है। अहिंसा के पाठ पढ़ाए जाते हैं। अहिंसा प्रेम है, महत्वाकांक्षा प्रतिस्पर्धा है। प्रेम सदा पीछे रहना चाहता है, प्रतिस्पर्धा आगे होना चाहती है।

क्राइस्ट ने कहा है, "धन्य है वे , जो पीछे रहने में समर्थ है। मैं जिसे प्रेम करूंगा उसे आगे देखना चाहूंगा और यदि मैं सभी को प्रेम करूंगा तो स्वंय को सबसे पीछे खड़ा कर आनंदित होऊंगा। लेकिन प्रतिस्पर्धा प्रेम से बिल्कुल उल्टी है। वह तो ईर्ष्या है। वह तो घृणा है। वह तो हिंसा है। वह तो सब भांति सबसे आगे होना चाहती है। इस आगे होने की होड़ की शुरूआत शिक्षालयों में ही होती है और फिर कब्रिस्तान तक चलती है। व्यक्तियों में यही दौड़ है। राष्ट्रों में भी यही दौड़ है। युद्व इस दौड़ के ही तो अंतिम फल है। यह दौड़ क्यों है? इस दौड़ के मूल में क्या है? मूल में है–अहंकार। अंहकार सिखाया जाता है, अहंकार का पोषण किया जाता है। छोटे–छोटे बच्चों में अहंकार को जगाया और जलाया जाता है। उनके निर्दोष और सरल चित्त अहंकार से विषाक्त किए जाते हैं। उन्हें भी प्रथम होने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। स्वर्ण पदक, सम्मान और पुरस्कार बांटे जाते हैं। फिर यही अहंकार जीवन भर प्रेत की भांति उनका पीछा करता है और मरते दम तक चैन नहीं लेने देता।

1. युद्व किस दौड़ का अंतिम फल है?

(क) प्रेम करने की (ख) प्रतिस्पर्धा की (ग) आगे होने की (घ) इच्छा करने की

2. प्रतिस्पर्धा की शुरूआत कहां से होती है?

(क) घर परिवार से (ख) विद्यालय से (ग) कब्रिस्तान (घ) युद्ध के मैदान से

3. निर्दोष शब्द में उपसर्ग है–

(क) नी (ख) निर (ग) ई (घ) नि

4. स्वर्ण पदक और सम्मान की दौड़ क्या पैदा करती है?

(क) भाईचारा (ख) प्रेम (ग) आंनद (घ) ईर्ष्या

5. प्रेम की क्या विशेषता है?

(क) सदैव सबसे आगे रहना चाहता है।

(ख) दूसरों को पीछे करने में विश्वास रखता है।

(ग) खुद को सबसे पीछे रख कर दुखी होता है।

(घ) खुद को सबसे पीछे रख कर आंनदित होता है।

6. अंधकार शब्द का विलोम बताइए।

(क) अंतरिक्ष (ख) आलोक (ग) अंबर (घ) अनंत

प्रश्न 2 निम्नलिखित अपठित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तरपुस्तिका में कोष्ठक में लिखिए–

मैंने हँसना सीखा है
मैं नहीं जानती रोना।
बरसा करता पल–पल पर
मेरे जीवन में सोना।

मैं अब तक जान न पाई
कैसी होती है पीड़ा?
हंस–हंस जीवन में कैसे
करती है चिंता क्रीड़ा?

जग है असार सुनती हूँ
मुझको सुख–सार दिखाता।
मेरी आँखों के आगे
सुख का सागर लहराता।

कहते हैं होती जाती
खाली जीवन की प्याली।
पर मैं उसमें पाती हूँ
प्रतिपल मदिरा मतवाली।

उत्साह, उमंग निंरतर
रहते मेरे जीवन में।
उल्लास विजय का सता
मेरे मतवाले मन में।

आशा आलोकित करती
मेरे जीवन के प्रतिक्षण।
हैं स्वर्ण–सूत्र से वलयित
मेरी असफलता के घन।

सुख भरे सुनहले बादल
रहते हैं मुझको बादल घेरे।
विश्वास, प्रेम, साहस हैं
जीवन के साथी मेरे।

1. बरसा करता पल–पल पर मेरे जीवन में सोना''। कवयित्री का सोना से अभिप्राय है–

(क) स्वर्ण (ख) कंचन (ग) आनन्द (घ) आराम

2. असफलता के बादलों को कवयित्री ने किससे घेरकर रखा है?

(क) असफलता के बादलों को सोने की छड़ी से घेरकर रखा है।
(ख) कवयित्री सफलता में भी असफलता की आशा से भरी रहती है।
(ग) कवयित्री ने असफलता के बादलों को सोने के सूत्र से घेरकर रखा है।
(घ) बादल के बरसने पर निकलने वाली बूंदों से क्योंकि इनसे नव सृजन होता है।

3. कवयित्री द्वारा विश्वास, प्रेम और साहस को अपना जीवन साथी बनाकर रखना यह निष्कर्ष निकालता है कि

(क) अनुकूल परिस्थितियां सदैव वश में नहीं रह सकती।
(ख) विपरीत परिस्थितियों में भी आशा का दामन नहीं छोड़ना चाहिए।
(ग) जीवन में हितकारी साथी सदैव साथ चाहिए।
(घ) प्रेम, विश्वास व साहस की डोर सदैव लंबी होती है।

4. आधुनिक जीवन में भी मनुष्य के सामने अनेक समस्याएं आती हैं। इस कविता के माध्यम से समस्याओं का समाधान कैसे किया जा सकता है ? कविता में निहित संदेश द्वारा स्पष्ट कीजिए।

(क) मनुष्य हताश होकर सहायतार्थ समस्याओं का हल करने का प्रयास अथक भाव से करे।
(ख) मनुष्य हताश न हो और समस्याओं का हल करने का प्रयास अथक भाव से करे।
(ग) निरंतर प्रयासरत रहकर परस्परावलंब से जीवन पथ पर गतिमान रहे।
(घ) सुख और दुख जीवन में आते जाते रहते हैं।

5. उत्साह, उमंग निरंतर रहते मेरे जीवन में। पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार है–

(क) रूपक (ख) अनुप्रास (ग) श्लेष (घ) उपमा

6. कविता के लिए उपयुक्त शीर्षक है–

(क) सुख और दुख (ख) मेरा जीवन (ग) मेरा सुख (घ) परपीडा

प्रश्न–2 दिए गए रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए– 6

1. श्रृंगार, शांत और करूण रस में .... गुण का प्रयोग होता है।
2. ''जिसने अपनाया था त्यागा, रहे स्मरण ही आते ''पंक्ति में .... दोष है।
3. वंशस्थ छंद के प्रत्येक चरण में .... वर्ण होते है।
4. गीतिका के आरंभ में दो मात्राएँ जोड़ने से .... छंद बनता है।

5. जहाँ अप्रस्तुत के वर्णन के माध्यम से प्रस्तुत का ज्ञान हो वहाँ .... अलंकार होता है।
6. विभावना अलंकार .... अलंकार का विपरित होता है।

प्रश्न–3 निम्नलिखित अतिलघूत्तरात्मक प्रश्नों के उत्तर दीजिए प्रत्येक प्रश्न के लिए अधिकतम शब्द सीमा 20 शब्द हैं।

1. रूपक अलंकार की परिभाषा लिखिए।
2. अन्योक्ति अलंकार का उदाहरण लिखिए।
3. मीडिया की भाषा में विशेष लेखन क्या कहलाता है?
4. खतरों के विशेषीकृत क्षेत्र कौन–कौन से हैं?
5. विशेष लेखन की भाषा–शैली कैसी होनी चाहिए?
6. कवि निराला ने पुत्री सरोज का तर्पण कैसे किया?
7. विद्यापति की प्रमुख रचनाओं के नाम बताइय।
8. चौधरी 'प्रेमघन' की भाषा की विलक्षण वक्रता से क्या तात्पर्य है?
9. 'सुमरिनी के मनके' किस लेखक की रचना है?
10. कविता रचना में परिवेश का क्या महत्व है?
11. नाटक के मुख्यतः कितने अंक होते है?
12. कहानी को मानव जीवन से कैसे जोड़ा जा सकता है?

खण्ड–ब

निर्देशः– प्रश्न संख्या 04 से 15 तक प्रत्येक प्रश्न के लिए अधिकतम शब्द सीमा 40 शब्द है।

4. उलटा पिरामिड शैली की किन्ही दो विशेषताओं को बताइए।

5. एक अच्छे और सफल साक्षात्कार के लिए क्याा आवश्यक हैं?

6 'शेर' लघुकथा में शेर अंहिसावादी, न्यायप्रिय व बुद्ध का अवतार प्रतीत होता है।

कैसे ?समझाइये।

7. 'श्री रघुनाथ– प्रताप की बात तुम्हैं दसकण्ठ न जानि परी'–पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।
8. जयशंकर प्रसाद अथवा तुलसीदास में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय दीजिए।

9. ''इस भीड़ में एक सूत्रता थी, न जाति का महत्व था ना भाषा का'' कथन की सत्यता 'दूसरा देवदास' कहानी के आधार पर सिद्ध कीजिए।

10. वर्तमान सामाजिक जीवन में सत्य की पहचान और पकड़ मुश्किल क्यों होती जा रही है?

11. 'फणीश्वरनाथ 'रेणु' अथवा निर्मल वर्मा में से किसी एक का साहित्यिक परिचय दीजिए।

12. सूरदास की अभिलाषाओं को किसने और कैसे नष्ट कर दिया?

13. 'आरोहण' पाठ में पहाड़ी जीवन की किन कठिनाइयों का वर्णन किया गया है?

14. 'अपना मालवा खाऊ–उजाडू सभ्यता में' पाठ पर्यावरण सम्बन्धी चिन्ता का यथार्थ चित्र प्रस्तुत करता है। कैसे?

15. अगर इंसान चाहे तो किसी भी परिस्थिति में अपनी मेहनत से नयी जिंदगी की कहानी लिख सकता है। 'आरोहण' कहानी के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

खण्ड–स

16. 'संवाद सुनाते समय वह अपने कलेजे को कैसे संभाल सकेगा?'' हरगोबिन की इस सोच के संदर्भ में उसके चरित्र की विशेषताओं को उजागर कीजिए।

(उत्तर सीमा 60 शब्द)

अथवा

बसन्तसमये काक! काक! पिक! पिक!'' लेखक ब्रजमोहन व्यास ने उक्त कथन द्वारा मनुष्य की किस मनोवृति पर प्रकाश डाला है? स्पष्ट कीजिए। (उत्तर सीमा 60 शब्द)

17. 'कार्नेलिया का गीत' कविता के आधार पर भारत की प्रमुख प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक विशेषताओं को उजागर कीजिए। (उत्तर सीमा 60 शब्द)

अथवा

गीतावली से संकलित पद राघौ एक बार फिरि आवौ' में निहित करूणा और संदेश को अपने शब्दों में व्यक्त कीजिए। (उत्तर सीमा 60 शब्द)

18. ''तो हम सौ लाख बार बनाएँगे'' इस कथन के आलोक में उन जीवन मूल्यों का उल्लेख कीजिए जो हम सूरदास से सीख सकते हैं। (उत्तर सीमा 80 शब्द)

अथवा

क्या विकास की औद्योगिक सभ्यता उजाड़ की अपसभ्यता है? अपना मालवा–खाऊ–उजाड़ू सभ्यता में पाठ के आधार पर अपना मत व्यक्त कीजिए। (उत्तर सीमा 80 शब्द)

खण्ड–द

19. निम्नलिखित पठित काव्यांशों में से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए–

मैंने देखा

एक बूंद सहसा

उछली सागर के झाग से;

रंग गई क्षणभर

ढलते सूरज की आग से।

मुझ को दीख गया;

सूने विराट् के सम्मुख

हर आलोक हुआ अपनापन

है उन्मोचन

नश्वरता के दाग से!

अथवा

बानी जगरानी की उदारता बखानी जाइ ऐसी उदित उदार कौन की भई।

देवता प्रसिद्व सिद्व रिबिराज तपवृद्व कहि कहि हारे सब कहि न काहू लई।

भावी भूत वर्तमान जगत बखानत है' केसोदास' क्यों हू न बखानी काहू पै गई।

पति बर्ने चार मुख, पूत बर्ने पाँचमुख, नाती बर्ने षट्मुख तदपि नई–नई।

20. निम्नलिखित पठित गद्यांशों में से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए–

विकास का यह 'उजला' पहलू अपने पीछे कितने व्यापक पैमाने पर विनाश का अँधेरा लेकर आया था, हम उसका छोटा–सा जायजा लेने दिल्ली में स्थित 'लोकायन' संस्था की ओर से सिंगरौली गए थे। सिंगरौली जाने से पहले मेरे मन में इस तरह का कोई सुखद भ्रम नहीं था की औद्योगीकरण का चक्का, जो स्वतन्त्रता के बाद चलाया गया, उसे रोका जा सकता है। शायद पैंतीस वर्ष पहले हम कोई दूसरा विकल्प चुन सकते थे, जिसमें मानव सुख की कसौटी भौतिक लिप्सा न होकर जीवन की जरूरतों द्वारा निर्धारित होती।

अथवा

लड़की ने आज गुलाबी परिधान नहीं पहना था पर सफेद साड़ी में लाज से गुलाबी होते हुए उसने मंसा देवी पर एक और चुनरी चढ़ाने का संकल्प लेते हुए सोचा ''मनोकामना की गाँठ भी अद्भुत, अनूठी है, इधर बाँधो उधर लग जाती है...........'' पारो बुआ ,पारो बुआ, इनका नाम है.........'' मन्नू ने बुआ का आँचल खींचते हुए कहा। ''संभव देवदास'' संभव ने हँसते हुए वाक्य पूरा किया। उसे भी मनोकामना का पीला–लाल धागा और उसमें पड़ी गिठान का मधुर स्मरण हो आया।

20. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 400 शब्दों में सारगर्भित निबन्ध लिखिए–

(अ) कोरोनाकाल और ऑनलाइन शिक्षा

(ब) बढ़ती तकनीक–सुविधा या असुविधा

(स) स्वच्छ भारत : स्वस्थ भारत

(द) कामकाजी महिला और राष्ट्र–निर्माण

(य) बालश्रम : एक सामाजिक कंलक

लेखन विकास समूह

श्रीमती रीना मंत्री
प्रधानाचार्य
राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय
गादोली, मावली, उदयपुर

श्री डॉ. मदन गोपाल लड़ढ़ा
प्रधानाचार्य
राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय
भेरू पूरा, सिलवानी, सूरतगढ़

श्री किशन लाल गुर्जर
प्राध्यापक
राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय
साकरोदा, कुराबड़, उदयपुर

श्री मूल चन्द्र बोहरा
रीडर,IASE
बीकानेर

श्रीमती अंजली कोठारी
प्राध्यापक
डाइट, उदयपुर

श्री लोकेश पालीवाल
प्राध्यापक
डाइट, राजसमंद

समीक्षा समूह

श्रीमती रीना मंत्री
प्रधानाचार्य
राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय
गादोली, मावली, उदयपुर

तकनीकी समन्वयक

श्री हेमंत आमेटा
प्राध्यापक
(राजकीय सिन्धी भाषाई उमावि, प्रतापनगर, उदयपुर)

श्री ललित पटेल
प्र. स.
(राउमावि सरु, गिर्वा, उदयपुर)

''आपकी सजगता, बच्चे की सुरक्षा''

बाल अधिकारिता विभाग राजस्थान सरकार

20/198, सेक्टर-2, कावेरी पथ, के.एल. सैनी स्टेडियम के पास मानसरोवर, जयपुर फोन : 0141-2399335

Email : ccosjerajasthan@gmail.com, dcr@rajasthan.gov.in • Website : www.dcrraj.in

आओ ! कुछ अच्छा सोचें, कुछ अच्छा करें।
खुद को ..., अपनी अच्छी सोच को ... आसमान छूने दें !

राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्

111, सहेली मार्ग उदयपुर (राजस्थान) 313001

एवं

राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद्

शिक्षा संकुल, जयपुर (राजस्थान) 302001